प्रेरणा

फिर से प्रयास करने से
कभी मत घबराना,
क्योंकि इस बार शुरुआत
शून्य से नहीं अनुभव से होगी।

सच कहने की ताकत

साप्ताहिक समाचार पत्र

जालंधर ब्रीज

साप्ताहिक मौसम

दिन	अधिकतम	न्यूनतम
शुक्रवार	33°	29°
शनिवार	34°	28°
रविवार	31°	26°
सोमवार	32°	25°
मंगलवार	32°	26°
बुधवार	32°	26°
वीरवार	32°	25°

*आंकड़े आईएमडी के अनुसार

www.jalandharbreeze.com • JALANDHAR BREEZE • WEEKLY • YEAR-7 • 05 SEPTEMBER TO 11 SEPTEMBER 2025 • VOLUME 07 • PAGE-4 • RATE-3.00/- • RNI NO.: PUNHIN/2019/77863

Lic No : 933/ALC-4/LA/FN:1184

INNOVATIVE TECHNO INSTITUTE

CONSULTING DESIGN TRAINING

ISO CERTIFIED 2015 COMPANY

CONFUSED ABOUT CAREER!

Unsure of what to do after 10th/12th/Graduation?

Whether to Study in India or Abroad?

What should I do after 10th-Science, Commerce or Arts?

Should I consider Computer or Mechanical Engineering?

What is better for me - MBA in Marketing or MBA in Finance?

Should I pursue Chartered Accountancy or Law after 12th?

Do I have the aptitude for Architecture and Designing?

Get Career Guidance from our Expert Career Counseling Team Free of Cost

E-mail : hr@innovativetechin.com • Website : www.innovativetechin.com • FB/Innovativetechin • Contact :9317776662, 9317776663

REGIONAL OFFICE : S.C.O No. 10 Gopal Nagar, Near Batra Palace, Jal. HEAD OFFICE : S.C.O No. 21-22, Kuldip Lal Complex, Highway Plaza GT Road, Adjoining Lovely Professional University. Phagwara.

*T&C apply

जीएसटी सुधार पर पीएम मोदी ने की सराहना, दो टैक्स स्लैब को मिली मंजूरी

नई दिल्ली. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) परिषद द्वारा अनुमोदित व्यापक सुधारों की सराहना की और इन्हें भारत की आज़ादी के बाद का सबसे बड़ा फ़ैसला बताया। दिल्ली के 7, लोक कल्याण मार्ग स्थित राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता शिक्षकों से बातचीत करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि जीएसटी अब सरल हो गया है और दिवाली से पहले इन सुधारों को 'डबल धमाका' बताया। उन्होंने कहा कि अब जीएसटी और भी सरल हो गया है। 22 सितंबर को पहले नवरात्रि से अगली पीढ़ी का सुधार लागू हो जाएगा क्योंकि ये सभी चीजें निश्चित रूप से 'मातृशक्ति' से जुड़ी हैं।

नरेंद्र मोदी ने कहा कि जीएसटी आज़ाद भारत के सबसे बड़े आर्थिक सुधारों में से एक था। दरअसल, ये सुधार देश के लिए समर्थन और विकास का दोहरा लाभ हैं। एक तरफ़ देश के आम लोगों का पैसा बचेगा, तो दूसरी तरफ़ देश की अर्थव्यवस्था मज़बूत होगी। उन्होंने कहा कि आठ साल पहले जब जीएसटी लागू हुआ था, तो कई दशकों का सपना साकार हुआ था। यह चर्चा मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद शुरू नहीं हुई। ये चर्चाएँ पहले भी होती थीं, लेकिन कभी कोई काम नहीं हुआ। मोदी ने कहा कि कोई नहीं भूल सकता कि कांग्रेस सरकार ने आपका मासिक बजट कैसे बढ़ा दिया था। वे बच्चों की टॉफियों पर भी 21% टैक्स लगाते थे। अगर मोदी ने ऐसा किया होता, तो वे मेरे बाल नोच लेते। उन्होंने कहा कि जीएसटी में किए गए सुधारों का सारांश यह है कि यह भारतीय अर्थव्यवस्था में पाँच रत्न जोड़ देगा। पहला, कर प्रणाली सरल हो जाएगी। भारत के नागरिकों के जीवन स्तर में सुधार होगा, उपभोग और विकास दर में वृद्धि होगी।

जीएसटी स्लैब में सुधार से क्या-क्या होगा सस्ता

- आम आदमी की कई वस्तुएं जैसे हेयर ऑयल, टॉयलेट सोप बार, शैंपू, टूथब्रश, टूथपेस्ट, साइकिल, टेबलवेयर, किचनवेयर, अन्य घरेलू सामान आदि पर जीएसटी 18% या 12% से घटाकर 5% कर दिया गया है। बहुत अधिक तापमान वाला (यूएचटी) दूध, पहले से पैक और लेबल वाला छेना या पनीर पर जीएसटी 5% से घटाकर शून्य कर दिया गया है; सभी भारतीय ब्रेड (चपाती, पराठा आदि) पर भी जीएसटी हटा दिया गया है।
- लगभग सभी खाद्य पदार्थों जैसे पैकेज्ड नमकीन, भुजिया, सॉस, पास्ता, इंस्टेंट नूडल्स, चॉकलेट, कॉफी, संरक्षित मांस, कॉर्नफ्लेक्स, मक्खन, घी आदि पर जीएसटी 12% या 18% से घटाकर 5% कर दिया गया है। एयर कंडीशनिंग मशीन, 32 इंच के टीवी (सभी टीवी पर अब 18% कर), डिशवॉशिंग मशीन, छोटी कार, 350 सीसी या उससे कम क्षमता वाली मोटरसाइकिल पर जीएसटी 28% से घटाकर 18% कर दिया गया है।
- कृषि वस्तुओं, मिट्टी तैयार करने या जुताई के लिए ट्रैक्टर, कृषि, बागवानी या वानिकी मशीनरी, कटाई या थ्रेसिंग मशीनरी, जिसमें पुआल या चारा बेलर, घास काटने की मशीन, कंपोस्ट मशीन आदि शामिल हैं, पर जीएसटी 12% से घटाकर 5% कर दिया गया है। हस्तशिल्प, संगमरमर और ट्रैवर्टीन ब्लॉक, ग्रेनाइट ब्लॉक, और मध्यम चमड़े के सामान जैसी श्रम-आधारित वस्तुओं पर जीएसटी 12% से घटाकर 5% कर दिया गया है। सीमेंट पर जीएसटी 28% से घटाकर 18% कर दिया गया है।
- 33 जीवनरक्षक दवाओं और औषधियों पर जीएसटी 12% से घटाकर शून्य कर दिया गया है और कैंसर, दुर्लभ बीमारियों और अन्य गंभीर दीर्घकालिक रोगों के इलाज में इस्तेमाल होने वाली 3 जीवनरक्षक दवाओं और औषधियों पर जीएसटी 5% से घटाकर शून्य कर दिया गया है। अन्य सभी दवाओं और औषधियों पर जीएसटी 12% से घटाकर 5% कर दिया गया है।
- 350 सीसी या उससे कम सीसी वाली छोटी कारें व मोटरसाइकिल पर जीएसटी घटाकर 18% कर दिया है बस, ट्रक, एंबुलेंस आदि पर जीएसटी 28% से घटाकर 18% कर दिया गया है। हाथ से बनाए रेशे और मानव निर्मित धागे पर जीएसटी 12% से घटाकर 5% कर दिया है। सल्फ्यूरिक एसिड, नाइट्रिक एसिड और अमोनिया पर जीएसटी दर 18% से घटाकर 5% करके उर्वरक क्षेत्र में इन्वर्टेड ड्यूटी स्ट्रक्चर में सुधार किया नवीकरणीय ऊर्जा उपकरणों और उनके निर्माण हेतु पुर्जों पर जीएसटी 12% से घटाकर 5% कर दिया गया है
- 7,500 रुपये प्रति यूनिट प्रतिदिन या उसके बराबर मूल्य वाली "होटल आवास" सेवाओं पर जीएसटी 12% से घटाकर 5% कर दिया गया है आम आदमी के द्वारा इस्तेमाल की जाने वाली सौंदर्य और शारीरिक स्वास्थ्य सेवाओं, जिनमें जिम, सैलून, नाई, योग केंद्र आदि शामिल हैं, पर जीएसटी घटाकर 5% कर दिया गया है।

1700 गजटेड अधिकारी बाढ़ प्रभावित गांवों में करेंगे बचाव और राहत कार्यों की निगरानी : सीएम मान

बोले- प्रभावित गांवों के लोगों और प्रशासन के बीच सीधा संपर्क सुनिश्चित करेंगे

• **जालंधर ब्रीज.** चंडीगढ़

मुख्य मंत्री भगवंत सिंह मान ने गुरुवार को बचाव व राहत कार्यों की निगरानी के लिए प्रत्येक प्रभावित गांव में गजटेड अधिकारी तैनात करने के आदेश दिए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रत्येक गांव में तैनात किए जाने वाले गजटेड अधिकारी राज्य में गांववासियों और प्रशासन के बीच सीधा संपर्क बनाए रखने को सुनिश्चित करेंगे। उन्होंने कहा कि इससे प्राकृतिक आपदा का सामना कर रहे लोग अधिकारी के साथ अपनी समस्याएं साझा कर सकेंगे, जिससे हर समस्या का तुरंत समाधान हो सकेगा। भगवंत सिंह मान ने कहा कि अब तक 23 जिलों के 1698 से अधिक गांव पानी की चपेट में हैं, जिससे 3.80 लाख से अधिक लोग प्रभावित हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि इन क्षेत्रों में बचाव और राहत कार्य पहले ही युद्धस्तर पर चल रहे हैं ताकि लोगों को किसी भी तरह की परेशानी न हो। भगवंत सिंह मान ने कहा कि राज्य सरकार इन कठिन समय में लोगों की सुरक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री ने कहा कि अधिकारियों को निष्पक्ष ढंग से गिरदावरी करने के निर्देश दिए गए हैं ताकि लोगों को नुकसान की एक-एक पाई का मुआवजा मिल सके।

1902 गांव और 3.84 लाख से अधिक आबादी बाढ़ की चपेट में : हरदीप सिंह मुंडियां

पंजाब के राजस्व, पुनर्वास और आपदा प्रबंधन मंत्री हरदीप सिंह मुँडियां ने बताया कि राज्य में आई भीषण बाढ़ के कारण 22 ज़िलों के 1902 गाँव प्रभावित हुए हैं, जबकि 15 ज़िलों की 3.84 लाख से अधिक आबादी प्रभावित हुई है। उन्होंने बताया कि प्रभावित आबादी को ठहराने के लिए राज्य में 29 और कैंप स्थापित किए गए हैं और इस समय 196 राहत कैंप प्रभावित लोगों के लिये विभिन्न स्थानों पर जारी हैं। उन्होंने बताया कि 1.71 लाख हेक्टेयर से अधिक क्षेत्र में खड़ी फसलों को भारी नुकसान पहुँचा है और सबसे अधिक प्रभावित ज़िलों में गुरदासपुर, अमृतसर, फाज़िल्का, फिरोज़पुर, कपूरथला और मानसा शामिल हैं। राजस्व मंत्री ने बताया कि अब तक बाढ़ प्रभावित इलाकों से 20,972 व्यक्तियों को सुरक्षित स्थानों पर पहुँचाया गया है। हरदीप सिंह मुँडियां ने बताया कि प्रभावित लोगों को ठहराने के लिए राज्यभर में 196 राहत कैंप इस समय चल रहे हैं। उन्होंने कहा कि बीते कल की तुलना में 29 और कैंप जोड़े गए हैं। इनमें फाज़िल्का

में 23, बरनाला में 36, पटियाला में 27, जालंधर में 18, एस.बी.एस. नगर में 23, अमृतसर में 16, पठानकोट में 14, गुरदासपुर में 13, फिरोज़पुर में 8, रूपनगर में 4, होशियारपुर में 5, कपूरथला में 4, मोगा और मानसा में 2-2 तथा संगरूर में 1 कैंप शामिल है। उन्होंने कहा कि मौजूदा समय इन कैंपों में 6755 लोग ठहरे हुए हैं। मानव जानों के बारे में राजस्व मंत्री ने कहा कि राज्य में पिछले 24 घंटों के दौरान 6 और मौतें दर्ज हुई हैं।

'आप' सांसदों द्वारा विशेषाधिकार फंड बाढ़ राहत कार्यों के लिए इस्तेमाल करने का ऐलान

पंजाब में आई भीषण बाढ़ से उत्पन्न स्थिति से निपटने के लिए प्रदेश के आम आदमी पार्टी के सांसदों ने अपने विशेषाधिकार फंड बाढ़ राहत कार्यों के लिए उपयोग करने का ऐलान किया है। इसके साथ ही आप के लोकसभा और राज्यसभा सांसद् बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में लोगों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़े हैं। राज्यसभा सदस्य डॉ. संदीप पाठक ने 5 करोड़, राघव चड्ढा ने 3.60 करोड़, संत बलवीर सिंह सीचेवाल ने 50 लाख, कुमार मित्तल ने 20 लाख व हरभजन सिंह ने 30 लाख के अलावा फिरोजपुर के लिए 17.32 लाख रुपए की तीन नावें, कपूरथला के लिए दो नावें और गुरदासपुर के लिए एक नाव के लिए फंड जारी किये हैं। जालंधर के लिए चार नावों का ऐलान किया गया है। लोकसभा सदस्य डॉ. राज कुमार चब्बेवाल ने 50 लाख व मीत हेयर ने 25 लाख रुपये देने की घोषणा की जबकि मालविंदर सिंह कंग ने 20 लाख रुपए तुरंत जारी कर दिए।

हिरासत में मौत को लेकर सुप्रीम कोर्ट सख्त, लिया स्वतः संज्ञान

नई दिल्ली. सुप्रीम कोर्ट ने एक अखबार में छपी खबर के बाद स्वतः संज्ञान लेते हुए एक जनहित याचिका शुरू की, जिसमें भारत भर के पुलिस थानों में सीसीटीवी कैमरों की कमी का मुद्दा उठाया गया था। जस्टिस विक्रम नाथ और संदीप मेहता की बेंच ने कहा कि 2025 में पिछले 7-8 महीनों में अकेले राजस्थान में पुलिस हिरासत में 11 मौतें हुई हैं। इसी वजह से सुप्रीम कोर्ट ने इस मुद्दे पर तुरंत संज्ञान लिया। इससे पहले 2020 में सर्वोच्च न्यायालय ने देश भर के सभी पुलिस थानों में नाइट विज़न और ऑडियो क्षमता वाले सीसीटीवी कैमरे लगाना अनिवार्य कर दिया था। इस फैसले में राज्य और केंद्र शासित प्रदेशों की सरकारों को पुलिस परिसरों के सभी महत्वपूर्ण बिंदुओं जिनमें लॉक-अप और पूछताछ कक्ष शामिल हैं, पर सीसीटीवी कवरेज सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया था। न्यायालय ने कहा कि फुटेज को कम से कम 18 महीने तक सुरक्षित रखा जाना चाहिए और हिरासत में यातना या मौत से संबंधित जाँच के दौरान उसे सुलभ बनाया जाना चाहिए। स्पष्ट निर्देशों के बावजूद कई पुलिस थानों में सीसीटीवी कैमरे काम नहीं कर रहे हैं या फुटेज गायब हैं जिससे जाँच और जवाबदेही में बाधा आती है।

एनआईआरएफ इंडिया रैंकिंग में सीयू पंजाब ने प्राप्त किया 77वां स्थान

बठिंडा (जालंधर ब्रीज). केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के मार्गदर्शन और कुलपति प्रो. राघवेंद्र प्रसाद तिवारी के गतिशील नेतृत्व में शिक्षा और अनुसंधान में उत्कृष्टता की राह पर अग्रसर पंजाब केंद्रीय विश्वविद्यालय, बठिंडा (सीयू पंजाब) ने इस वर्ष नेशनल इंस्टीट्यूशनल रैंकिंग फ्रेमवर्क (एनआईआरएफ) इंडिया रैंकिंग 2025 की "विश्वविद्यालय श्रेणी" में 77वां स्थान प्राप्त कर एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि दर्ज की है। विश्वविद्यालय ने पिछले वर्ष (एनआईआरएफ 2024) की 83वीं रैंक की तुलना में इस वर्ष अपनी रैंक में 6 स्थानों का सुधार किया है। इस सफलता के साथ विश्वविद्यालय ने लगातार सात वर्षों से भारत के "शीर्ष 100 विश्वविद्यालयों" की सूची में अपना स्थान बनाए रखने की परंपरा को गर्व के साथ आगे बढ़ाया है। इस वर्ष विश्वविद्यालय ने फार्मेसी श्रेणी में 20वीं तथा विधि श्रेणी में 40वीं रैंक प्राप्त कर उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है। इससे अकादमिक उत्कृष्टता और अत्याधुनिक अनुसंधान के केंद्र के रूप में इसकी स्थिति और भी मजबूत हुई है।

विजीलेंस ब्यूरो ने 20,000 रुपये की रिश्वत लेते हुए निजी व्यक्ति को पकड़ा

• **जालंधर ब्रीज.** चंडीगढ़/लुधियाना

पंजाब विजीलेंस ब्यूरो ने बसंत नगर, प्रताप सिंह वाला, लुधियाना शहर निवासी एक निजी व्यक्ति रजत शर्मा को 20,000 रुपये की रिश्वत लेते हुए गिरफ्तार किया है। उक्त आरोपी डीसी दफ्तर लुधियाना की तहसील पूर्वी में तैनात एक क्लर्क अमनिंदर सिंह का सहयोगी है, जिस पर भी रिश्वतखोरी का मुकदमा दर्ज किया गया है।

आज यहां यह जानकारी देते हुए राज्य विजीलेंस ब्यूरो के एक सरकारी प्रवक्ता ने बताया कि यह गिरफ्तारी लुधियाना शहर के बसंत नगर के एक निवासी द्वारा मुख्यमंत्री की भ्रष्टाचार विरोधी एक्शन लाइन पोर्टल पर दर्ज करवाई गई शिकायत की जांच के बाद की गई है।

सरकार और कुकी-जो समूहों के बीच हुआ समझौता, राज्य में लौटेगी शांति

नई दिल्ली. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रस्तावित मणिपुर यात्रा से पहले केंद्र और मणिपुर सरकार ने कुकी-जो समूहों के साथ एक नए समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं, जिसमें सभी पक्ष मणिपुर की क्षेत्रीय अखंडता को बनाए रखने, राष्ट्रीय राजमार्ग-2 को मुक्त आवागमन के लिए खोलने और उग्रवादी शिविरों को स्थानांतरित करने पर सहमत हुए हैं। हम आपको बता दें कि त्रिपक्षीय 'सस्पेंशन ऑफ ऑपरेशंस' (एसओओ) समझौते में आधारभूत नियमों पर पुनः बातचीत की गई है।

तीनों पक्षों ने मणिपुर में स्थायी शांति एवं स्थिरता लाने के लिए बातचीत के माध्यम से समाधान की आवश्यकता पर भी सहमति व्यक्त की है। साथ ही निर्धारित शिविरों की संख्या को कम करने, हथियारों को निकटतम केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ)/सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) शिविरों में सौंपने और विदेशी नागरिकों को सूची से हटाने के लिए सुरक्षा बलों द्वारा उग्रवादियों के कड़े भौतिक सत्यापन पर भी सहमति व्यक्त की है। गृह मंत्रालय द्वारा जारी एक बयान के अनुसार, एक संयुक्त निगरानी समूह आधारभूत नियमों के प्रवर्तन पर बारीकी से नजर रखेगा।

केंद्रीय कृषि मंत्री ने पंजाब के बाढ़ प्रभावित इलाकों का किया दौरा

• **जालंधर ब्रीज.** नई दिल्ली/चंडीगढ़

केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण और ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने आज पंजाब के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का दौरा किया। केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह ने अमृतसर, कपूरथला और गुरदासपुर जिले के गांवों में जाकर किसानों से सीधा संवाद किया और पानी से भरे खेतों में उतरकर फसलों के नुकसान का जायजा लिया। इस दौरान किसानों ने केंद्रीय मंत्री को फसलों के भारी नुकसान की जानकारी दी जिस पर शिवराज सिंह ने कहा कि किसान भाई-बहन चिंता ना करें, सरकार उनके साथ है। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान के सुबह अमृतसर पहुंचने पर बाढ़ की स्थिति को लेकर पंजाब के राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया ने केंद्रीय मंत्री से हवाईअड्डे पर भेंट की और उन्हें बाढ़ से जुड़ी विस्तृत रिपोर्ट सौंपी, वहीं अन्य पदाधिकारियों ने भी केंद्रीय कृषि मंत्री को बाढ़ की गंभीर स्थिति के बारे बताया। इसके तत्काल बाद, बाढ़ग्रस्त इलाकों का दौरा करते हुए केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि स्थिति बहुत गंभीर है, संकट भयानक है। जलप्रलय के कारण

फसलें डूबी हुई हैं और पूरी तरह से तबाह और बर्बाद हो गई हैं। लगभग 1,400 गाँव पूरी तरह प्रभावित हैं। 26 अगस्त से यहाँ खेतों में पानी भरा हुआ है। रावी का पानी खेतों में बह रहा है। पाँव के नीचे मिट्टी नहीं, सिल्ट है, जो जमा हो गई है। यह फसल तो खत्म हो गई है, अगली फसल पर भी संकट है। दर्द और नुकसान का अंदाज़ा नहीं लगाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि स्थिति देखकर मन द्रवित होता है, लेकिन इस समस्या से अपने किसान भाई-बहनों को जरूर बाहर निकालेंगे। यह चुनौतीपूर्ण है, लेकिन हरसंभव प्रयास किया जाएगा और राहत पहुंचाने के लिए पूरी मदद की जाएगी।

केंद्रीय कृषि मंत्री ने बताया कि पंजाब में स्थिति का आकलन करने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के निर्देश पर केंद्र सरकार ने दो उच्चस्तरीय टीमें भेजी हैं जिनमें कृषि, ग्रामीण विकास, सड़क, ऊर्जा, वित्त और जलशक्ति मंत्रालयों के अधिकारी शामिल हैं। उन्होंने यह भी बताया कि ये टीमें प्रभावित इलाकों का दौरा कर स्थिति का आकलन करेंगी और अपनी रिपोर्ट केंद्र सरकार को सौपेंगी। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि गांवों में जाकर लोगों से संवाद कर जमीनी हालात को समझा जाएगा और विस्तृत रिपोर्ट प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी को सौंपी जाएगी। राज्य सरकार भी अपनी तरफ से आकलन करेगी।

केंद्रीय कृषि मंत्री ने कहा कि पंजाब पर पूरे देश को गर्व है, यह राज्य हमेशा संकट की घड़ी में देश की ढाल बनकर खड़ा रहा है। मैं यही कहना चाहता हूं कि प्रधानमंत्री जी के निर्देश पर आया हूं और संकट की इस घड़ी में अपने पंजाब के साथ, अपने पंजाब के किसान भाइयों और बहनों के साथ, पंजाब की जनता के साथ सरकार डटकर खड़ी है।

देश का अन्न भंडार संकट में, गुरमीत खुड्डियां द्वारा केंद्र से तत्काल आर्थिक राहत की मांग

बाढ़ के कारण कठिन दौर से गुजर रहे देश के अन्न भंडार पंजाब के लिए, आज राज्य के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री गुरमीत सिंह खुड्डियां ने केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान से बाढ़ से उत्पन्न संकट से निपटने के लिए तत्काल वित्तीय राहत और बड़ा विशेष वित्तीय पैकेज देने की अपील की। इसके साथ ही उन्होंने बाढ़ की मार झेल रहे चार लाख एकड़ कृषि भूमि के लिए किसानों को दिए जाने वाले मुआवजे में वृद्धि की भी मांग की। खुड्डियां ने केंद्रीय कृषि मंत्री के साथ अमृतसर, गुरदासपुर और कपूरथला जिलों के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का दौरा किया और इस प्राकृतिक आपदा के कृषि क्षेत्र पर पड़े गंभीर असर को उजागर किया। अमृतसर के श्री गुरु राम दास जी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर पहुंचने के उपरांत खुड्डियां ने चौहान का स्वागत किया, जो बाढ़ से हुए नुकसान का जायजा लेने और प्रभावित किसानों से मिलने के लिए राज्य के दौरे पर आए थे। बाढ़ के कारण हुए भारी नुकसान को उजागर करते हुए पंजाब के कृषि मंत्री ने बताया कि प्रारंभिक जांच के अनुसार 4 लाख एकड़ से अधिक क्षेत्र में खड़ी फसलें बाढ़ के पानी की चपेट में आई हैं। कटाई के सीजन से कुछ सप्ताह पहले, धान की फसल सबसे ज्यादा प्रभावित हुई है।

आखिर लालबागचा राजा की इतनी क्यों है मान्यता? जानें बप्पा से जुड़ी बातें

• जालंधर ब्रीज. फीचर

गणेश चतुर्थी हिंदू धर्म का एक बहुत ही खास उत्सव है, जो विशेष महत्व रखता है। यूं तो देशभर में गणेश चतुर्थी की धूम मची रहती है लेकिन महाराष्ट्र में अलग ही नजारा देखने को मिलता है। ये त्योहार भगवान गणेश जी के जन्मोत्सव के रूप में मनाया जाता है। गणेश उत्सव के दस दिनों तक पूरे महाराष्ट्र में भक्ति से सराबोर माहौल बना रहता है। मुंबई की सड़कों से लेकर पंडालों तक हर जगह बप्पा की भक्ति की झलक देखने को मिलती है। इसी भक्ति और आस्था का सबसे बड़ा प्रतीक है 'लालबागचा राजा', जिनके दर्शन के लिए ना केवल मुंबई बल्कि देश-विदेश से भी श्रद्धालु आते हैं। परेल के लालबाग क्षेत्र में स्थापित ये गणेश पंडाल हर साल गणेशोत्सव का मुख्य आकर्षण बनता है और लाखों लोग यहां बप्पा के दर्शन करने पहुंचते हैं। चलिए जानते हैं मुंबई के 'लालबागचा राजा' की लोकप्रियता इतनी ज्यादा क्यों है।

लालबागचा राजा की लोकप्रियता

मुंबई का बेहद फेमस गणेश पंडाल 'लालबागचा राजा' के नाम से पूरी दुनिया में प्रसिद्ध है। इन्हें 'मन्नतों का राजा' भी कहा जाता है क्योंकि यहां आने वाले भक्त मानते हैं कि बप्पा उनकी हर इच्छा पूरी करते हैं। यही कारण है कि दस दिनों तक यहां भक्तों की भारी भीड़ उमड़ती है। रोजाना लगभग डेढ़ मिलियन श्रद्धालु बप्पा के दर्शन के लिए आते हैं और लंबे समय तक कतारों में खड़े होकर भी वे सिर्फ एक झलक पाने के लिए उत्साहित रहते हैं।

बप्पा का अनोखा स्वरुप दिखता है 'लालबागचा राजा'

हर साल गणेश उत्सव के दौरान 'लालबागचा राजा' की मूर्ति भक्तों के लिए सबसे बड़ा आकर्षण होती है। करीब 18 से 20 फीट ऊंची ये प्रतिमा अपने भव्य और अद्वितीय रूप में भक्तों का दिल जीत लेती है। इस मूर्ति में भगवान गणेश सिंहासन पर बैठे हुए दिखाई देते हैं। उनके चेहरे की बनावट ऐसी होती है, जिसे देखकर भक्त भावुक हो जाते हैं। सबसे खास बात है कि गणेश जी की मूर्ति के इस डिजाइन को पेटेंट भी कराया जाता है। पिछले 89 सालों से कांबली परिवार गणेश जी की इस प्रतिमा का निर्माण कर रहा है।

Travelling मुंबई की सड़कों से लेकर पंडालों तक हर जगह बप्पा की भक्ति की झलक देखने को मिलती है। इसी भक्ति और आस्था का सबसे बड़ा प्रतीक हैं 'लालबागचा राजा', जिनके दर्शन के लिए ना केवल मुंबई बल्कि देश-विदेश से भी श्रद्धालु आते हैं।

क्या है लालबागचा राजा का इतिहास, कैसे हुई शुरुआत?

लालबागचा राजा की शुरुआत करीब 1934 में हुई थी। इन्हें बनाने की परंपरा कोली समुदाय के मछुआरों ने शुरू की थी। तब से लेकर आज तक ये पंडाल लगातार हर साल गणेशोत्सव के समय स्थापित किया जाता था है। सबसे खास बात यह है कि दिन-ब-दिन इस पंडाल की लोकप्रियता बढ़ती ही जा रही है। अब ये सिर्फ एक पंडाल नहीं रहा, बल्कि मुंबई की आस्था और पहचान का प्रतीक बन चुका है।

भक्ति और आस्था का संगम है ये पंडाल

लालबागचा राजा की खासियत यह है कि यहां जात-पात और धर्म का कोई भेदभाव नहीं होता। हर वर्ग और समुदाय के लोग यहां बप्पा के दर्शन करने आते हैं। बॉलीवुड के सितारे हों, उद्योगपति हों या आम लोग, सभी भक्त बराबर श्रद्धा से यहां अपनी मन्नत मांगते हैं। यहां तक कि अंबानी परिवार और अन्य बड़ी हस्तियां भी बप्पा के आशीर्वाद के लिए लालबाग पंडाल पहुंचती हैं।

क्यों इतने खास हैं लालबागचा राजा

गणेश उत्सव के दौरान दस दिनों तक चलने वाला उत्सव में ' लालबागचा राजा' का उत्सव पूरे मुंबई को भक्ति और उत्साह के रंग में रंग देता है।

गणेश विसर्जन तक ये माहौल और भी भव्य हो जाता है। लोग मानते हैं कि लालबागचा राजा सिर्फ एक प्रतिमा नहीं बल्कि उनके विश्वास और उम्मीदों का सच्चा रूप हैं। यही कारण है कि ये पंडाल हर साल करोड़ों दिलों में अपनी जगह बनाता है और दुनिया भर में 'मन्नतों के राजा' के रूप में प्रसिद्ध है।

PARENTING

बच्चों के लिए कितनी और क्यों जरूरी है पॉकेट मनी? जानिए किस उम्र से होनी चाहिए शुरुआत

बच्चों को पॉकेट मनी देने का मतलब उनकी जरूरत का ध्यान रखना या लाड़-दुलार ही नहीं होता। यह उन्हें पैसों के बारे में जरूरी सीख देना भी है। परवरिश में पॉकेट मनी की भूमिका पर रोशनी डाल रही...

• जालंधर ब्रीज . फीचर

हम उस पीढ़ी से हैं, जो परवरिश के पुराने तरीकों को पीछे छोड़ अपने बच्चों को बड़ा करने के क्रम में नए प्रयोग करने लगे हैं। परवरिश का एक अहम हिस्सा है अपने बच्चों को पैसों के बारे में जरूरी सीख देना। इसीलिए अब हर माह बच्चों को पॉकेट मनी मिलना आम बात हो गई है। यह सिर्फ एक परंपरा नहीं, बल्कि बच्चे की परवरिश और आर्थिक साक्षरता को बढ़ाने का एक जरिया बन चुका है।

क्यों है जरूरी पॉकेट मनी?

सबसे पहला सवाल उठता है कि भला बच्चों के हाथों में पैसे देने ही क्यों हैं? जवाब एकदम साफ है, किसी भी काम को सीखने के लिए उसे करना जरूरी है। यह बात पॉकेट मनी के मामले में भी लागू होती है। जब तक बच्चा पैसे के महत्व, उसे खर्च करने और जोड़ने के लिए खुद से प्रयास नहीं करेगा, तब तक वह सही मायने में पैसे की अहमियत समझ नहीं सकेगा। इस बाबत मनोचिकित्सक कहते हैं, 'पॉकेट मनी बच्चों को पैसे की अहमियत, बजट बनाना, बचत और जिम्मेदारी से पैसे खर्च करना सिखाती है।'

किस उम्र से हो शुरुआत

आमतौर पर भारतीय माता-पिता किशोरावस्था या कॉलेज पहुंचने के बाद ही बच्चे को नियमित रूप से पॉकेट मनी देना शुरू करते हैं। उनका मानना होता है कि इस उम्र तक बच्चा पैसे का समझदारी से प्रयोग करना जान जाता है। बच्चे को पॉकेट मनी किस उम्र से देना है, यह पूरी तरह से अभिभावक के विवेक पर निर्भर करता है। आप चाहें तो बच्चे को पॉकेट मनी देने की शुरुआत आठ से नौ साल की उम्र में कर सकती हैं।

न करें ये गलतियां

बहुत जल्दी, बहुत ज्यादा आर्थिक आजादी : हर चीज की एक सीमा तय होनी चाहिए। समय से पहले, जरूरत से ज्यादा और बिना किसी मार्गदर्शन के बच्चे को पॉकेट मनी देना आपकी गलती हो सकती है। बच्चे को बचत सिखाने की भावना से दी गई यह छूट उसमें फिजूलखर्ची की आदत डाल सकती है। एक अध्ययन में पाया गया कि सिर्फ 37% माता-पिता परिवार की वित्तीय स्थिति पर बच्चों से बात करते हैं और केवल 31% उन्हें बचत के लिए प्रेरित करते हैं।

बचत की आदत न सिखाना : बच्चों को पॉकेट मनी देने के पहले उनकी पहचान 50:30:20 के नियम से करवाइए। जिसमें उन्हें बताइए पॉकेट मनी का 50 फीसदी हिस्सा जरूरतों पर और 30 फीसदी इच्छाओं पर खर्च करना चाहिए। वहीं, 20 फीसदी हिस्सा बचत करना चाहिए। यह फॉर्मूला अभी से सिखाना उनमें भविष्य के लिए भी अपने पैसे को मैनेज करने की प्रेरणा बनेगा।

इन बातों का रखें ध्यान

-पॉकेट मनी की शुरुआत कम पैसों से करें। जैसे सात से दस वर्ष की उम्र में 100 रुपए प्रति सप्ताह से आरंभ करें और धीरे-धीरे मात्रा बढ़ाएं।

-बच्चे को पॉकेट मनी उसके अच्छे व्यवहार और अच्छे काम पर दें। यानी बच्चे को अहसास कराएं कि यह पैसा उसका उपहार नहीं, बल्कि उसका ईनाम है।

-बच्चे को वास्तविक बजट बनाना सिखाएं यानी कम राशि में मनोरंजन, भोजन और जरूरतों के बीच वरीयता क्रम और संतुलन बनाना सिखाएं।

-बच्चे से उनके खर्च, अपनी बचत और निवेश पर खुल कर बात करें, ताकि उनमें आर्थिक समझ विकसित हो।

-बच्चे माता-पिता से ही सीखते हैं। लिहाजा, आप खुद उनके सामने जिम्मेदारी से खर्च और बचत करें।

-पॉकेट मनी की रकम को लेकर कोई बहस नहीं होनी चाहिए। बच्चे को अतिरिक्त पैसे चाहिए भी तो उसके पीछे कोई तार्किक कारण होना चाहिए। आप उसे घर के किसी काम में मदद करने के एवज में रिवॉर्ड के तौर पर पैसे कमाने का विकल्प भी दे सकती हैं।

-उन्हें समय-समय पर अहसास करवाते रहें कि आप उनके खर्चों पर नजर रखती हैं, ताकि वह पैसों का दुरुपयोग न कर सकें।

बदलते वक्त से कदमताल

समय बदला और बदला पॉकेट मनी का स्वरूप। एक अध्ययन के मुताबिक जहां 1998 में 10 से 17 साल के बच्चों को औसतन 125 रुपए प्रतिमाह पॉकेट मनी मिलती थी। वह 2005 में बढ़कर 500 रुपए और 2011 में 1500 रुपए हो गई। आजकल 16 से 21 साल के युवा केवल विलासिताओं पर यानी कॉस्मेटिक्स, मोबाइल, कपड़ों वगैरह पर 6 हजार रुपए तक खर्च कर जाते हैं।

पॉकेट मनी की खूबियां

-बच्चे खेल-खेल में खुद का बजट बनाना सीख जाते हैं।

-वे संतुष्ट जीवन के लिए पैसों के सही प्रबंधन की अहमियत समझ पाते हैं। आर्थिक दायित्व उठाना सीखते हैं।

डिस्क्लेमर : यह लेख मात्र सामान्य जानकारी के लिए है। किसी भी प्रयोग से पहले विशेषज्ञ की राय अवश्य लें।

बच्चों के स्कूल लंच में बनाकर भेजें टेस्टी पनीर फ्रैंकी रोल, डिब्बा खाली आएंगे घर

प्रोटीन रिच यह रेसिपी बढ़ते बच्चों के स्वाद और सेहत, दोनों का खास ख्याल रखती है। बच्चें पनीर फ्रैंकी रोल को बड़े चाव से खाते हैं। तो चलिए बिना देर किए जान लेते हैं बाजार स्टाइल मम्मी की किचन में कैसे बनाए जाते हैं टेस्टी पनीर

• जालंधर ब्रीज. रेसिपी

अगर ज्यादातर मांओं की तरह सुबह उठते ही आपकी भी पहली टेंशन यही रहती है कि बच्चों के स्कूल लंच में ऐसा क्या बनाकर दें, जो हेल्दी होने के साथ टेस्टी भी हो, बच्चे जिसे खाने में नाक-मुंह भी ना बनाएं तो आप बिना स्ट्रेस लिए कुछ ही मिनटों में बनाकर तैयार कर सकती हैं पनीर फ्रैंकी रोल। प्रोटीन रिच यह रेसिपी बढ़ते बच्चों के स्वाद और सेहत, दोनों का खास ख्याल रखती है। बच्चें पनीर फ्रैंकी रोल को बड़े चाव से खाते हैं। तो चलिए बिना देर किए जान लेते हैं बाजार स्टाइल मम्मी की किचन में कैसे बनाए जाते हैं टेस्टी पनीर फ्रैंकी रोल।

पनीर फ्रैंकी रोल के लिए सामग्री

- 100 ग्राम कद्दूकस किया हुआ पनीर
- 4 मैदे की रोटियां
- 2 आलू
- 1/4 बंदगोभी
- 1 गाजर
- 1/2 बड़ा चम्मच चाट मसाला
- 1/4 बड़ा चम्मच हल्दी पाउडर
- 1/2 बड़ा चम्मच लाल मिर्च पाउडर-
- 1 बड़ा चम्मच भुना हुआ जीरा पाउडर
- 1 बड़ा चम्मच अमचूर
- 1/2 बड़ा चम्मच चाट मसाला
- 2 बड़े चम्मच हरा धनिया
- 2 बड़े चम्मच नींबू का रस
- तेल जरूरत अनुसार
- नमक स्वादानुसार

पनीर फ्रैंकी रोल बनाने का तरीका

पनीर फ्रैंकी रोल बनाने के लिए सबसे पहले उबले हुए आलू को छीलकर मैश कर लें। इसके बाद पनीर को कद्दूकस कर लें। अब इसमें आलू, नींबु का रस, हल्दी पाउडर, आमचूर, चाट मसाला, स्वादानुसार नमक और बारीक कटा हुआ हरा धनिया डालकर सभी चीजों को अच्छी तरह मिला लें। अब इस मिश्रण से लंबे आकार के कबाब बनाकर तैयार कर लें। इसके बाद गैस को मीडियम आंच पर करके एक तवा चढ़ाकर थोड़ा सा तेल डालकर गर्म होने दें। जब तेल गर्म हो जाए तो इसमें पहले से तैयार किए हुए कबाब डालकर दोनों तरफ से सुनहरा होने तक फ्राई कर लें। अब गाजर और बंदगोभी को पतला-पतला काटकर एक बाउल में रखकर उसमें चाट मसाला और नमक मिलाकर ठंडा होने के लिए फ्रिज में रख दें। अब कबाब को तवे से निकालकर एक प्लेट में रखें। तवे पर मैदे की रोटी रखकर हल्का गर्म कर लें। जब रोटी गर्म हो जाए तो इसमें एक पनीर कबाब रखकर ऊपर से थोड़ी सी गाजर और बंदगोभी डाल दें। साथ ही थोडा सा चाट मसाला और थोड़ा सा भुना हुआ जीरा पाउडर भी छिड़क दें। आपका टेस्टी पनीर फ्रैंकी रोल बनकर तैयार है। आप इसे गरमा गरम सॉस या हरी चटनी के साथ सर्व करें।

गुणों से भरपूर है मिल्की मशरूम, वेट लॉस, डायबिटीज तक रखती है कंट्रोल

जालंधर ब्रीज (फीचर) . अगर आप मशरूम लवर हैं तो आपने स्टार्टर डिश से लेकर मेन कोर्स मेन्यू तक मशरूम की कई डिश ट्राई की होंगी। बाजार में आयस्टर से लेकर वाइट बटन और शिटाके जैसी मशरूम की कई वैरायटी उपलब्ध हैं। लेकिन क्या आपने कभी मिल्की मशरूम के बारे में कुछ सुना है। मिल्की मशरूम देखने में

व्हाइट बटन मशरूम से भी ज्यादा सफेद होती है। बात अगर इसके गुणों की करें तो दूधिया मशरूम में प्रोटीन, विटामिन (B, D), और कैल्शियम, जिंक, आयरन, पोटैशियम, सेलेनियम जैसे खनिज भरपूर मात्रा में मौजूद होते हैं, जो इसे अन्य मशरूम से ज्यादा फायदेमंद बनाते हैं।

मिल्की मशरूम का स्वाद बिल्कुल कड़वा नहीं होता है और इसका वैज्ञानिक नाम Calocybe indica है। इसके नियमित सेवन से हृदय स्वास्थ्य से लेकर कमजोर इम्यूनिटी तक बेहतर होती है। आइए जानते हैं मिल्की मशरूम का नियमित सेवन सेहत को क्या-क्या फायदे देता है।

प्रोटीन का रिच सोर्स : मिल्की मशरूम में प्रोटीन, फाइबर, विटामिन डी और बी-कॉम्प्लेक्स), और खनिज जैसे पोटैशियम, कैल्शियम, और आयरन प्रचुर मात्रा में पाए जाते हैं। यह वेजिटेरियन लोगों के लिए प्लांट बेस्ड प्रोटीन का एक बेहतर विकल्प हो सकता है।

हृदय स्वास्थ्य : मिल्की मशरूम में वसा और कोलेस्ट्रॉल की मात्रा बेहद कम होती है, साथ ही फाइबर और लिनोलिक अम्ल जैसे असंतृप्त फैटी एसिड अच्छी मात्रा में मौजूद होते हैं। जो कोलेस्ट्रॉल को नियंत्रित करके हृदय रोगों के जोखिम को कम करने में मदद करते हैं।

डायबिटीज : मिल्की मशरूम का ग्लाइसेमिक इंडेक्स कम होने की वजह से यह रक्त शर्करा के स्तर को नियंत्रित रखने में मद करता है। इसमें मौजूद फाइबर और एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण इंसुलिन संवेदनशीलता को बेहतर बनाकर मधुमेह रोग को कंट्रोल रखने में मदद करते हैं।

वेट लॉस : मिल्की मशरूम में मौजूद कम कैलोरी और हाई फाइबर वेट कंट्रोल करने में मदद करते हैं। इसके सेवन से पेट लंबे समय तक भरा हुआ रहता है, जिससे व्यक्ति को भूख कम लगती है और वो ओवर ईटिंग से बच जाता है। जिससे वेट कंट्रोल में मदद मिलती है।

एनीमिया से बचाव : भारत में ज्यादातर महिलाओं को एनीमिया की शिकायत रहती है। लेकिन मिल्की मशरूम में मौजूद आयरन और फॉलिक एसिड की अच्छी मात्रा एनीमिया की शिकायत दूर करने में मदद कर सकती है।

डिस्क्लेमर : यह लेख मात्र सामान्य जानकारी के लिए है। किसी भी प्रयोग से पहले विशेषज्ञ की राय अवश्य लें।

क्या होगा अगर रोज पंपकिन सीड्स खाने लगे, शरीर में दिखते हैं ये अंतर

• जालंधर ब्रीज. हेल्थ केयर

Health दिल की सेहत को खराब होने से बचाना चाहते हैं तो शरीर के दूसरे हार्ट यानी पिंडलियों की सेहत और मजबूती का ख्याल रखना भी जरूरी है। जानें कॉर्डियोलॉजिस्ट ने बताया क्यों जरूरी है ऐसा करना।

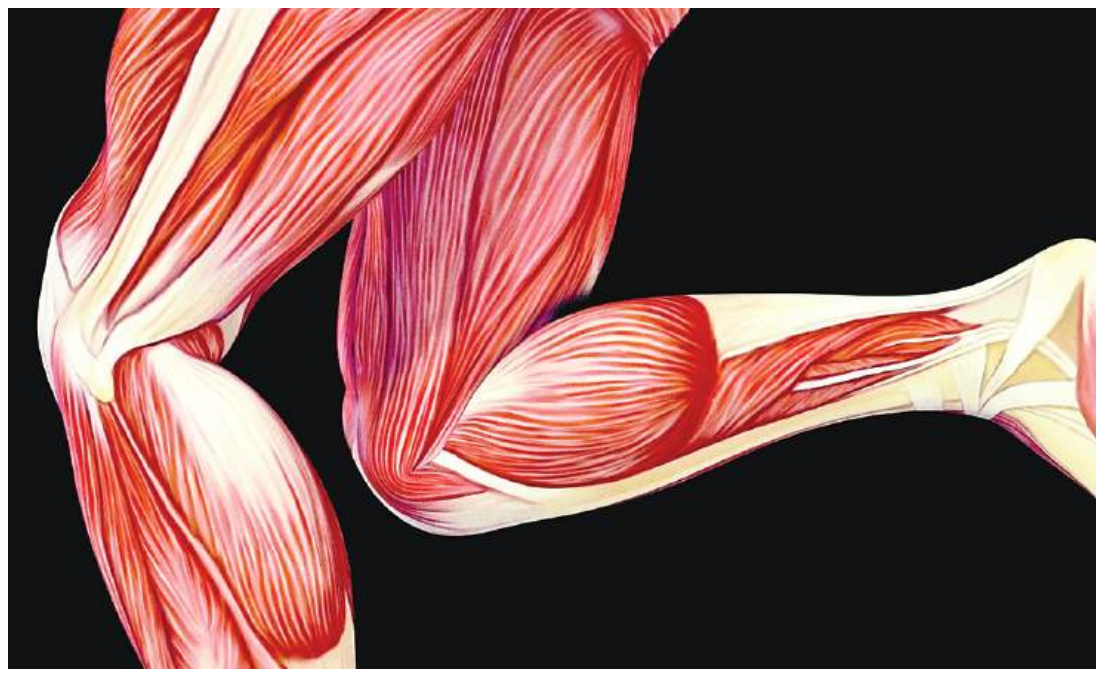

कभी सुना है शरीर में दो हार्ट होते हैं। ये काफी अजीब लग रहा होगा लेकिन अगर बारीकी से समझा जाए तो हार्ट की तरह ही बॉडी का ये हिस्सा भी काम करता है। जिसकी सेहत का ख्याल रखना बेहद जरूरी है। हम बात कर रहे है पैर के काल्फ मसल्स यानी पिंडलियों की बात कर रहे हैं। इंस्टाग्राम पर कॉर्डियोलॉजिस्ट डॉक्टर दिमित्री यारानोव ने फॉलोअर्स को अपनी पिंडलियों को मजबूत बनाने के लिए कहा है। डॉक्टर के अनुसार जब आप अपने काल्फ मसल्स यानी पैर की पिंडलियों की हेल्थ का ख्याल रखते हैं, इन्हें मजबूत बनाते हैं तो कॉर्डियोवस्कुलर से जुड़ी दिक्कतों का रिस्क कम हो जाता है।

पिंडलियां हार्ट हेल्थ में क्यों हेल्प करती है?

डॉक्टर एक्सप्लेन करते हैं तो काल्फ मसल्स को सेकेंड हार्ट माना जाता है। क्योंकि इन मसल्स का ब्लड सर्कुलेशन में काफी अहम रोल होता है। डॉक्टर यारानोव कहते हैं कि आपके एक नहीं दो हार्ट हैं। एक आपके सीने में और दूसरा पैर में। एक कदम भी आपके चले पर मसल्स सिकुड़ती हैं और ब्लड को वापस रियल हार्ट की तरफ पुश करती हैं। नीचे पैरों की तरफ जा रहे ब्लड सर्कुलेशन को काल्फ की मसल्स ऊपर की तरफ ले जाती हैं और क्लॉट बनने से रोकती हैं।

क्या होगा अगर ये पिंडलियों की मांसपेशियां कमजोर हो जाए तो : अगर पिंडलियों यानी काल्फ की मसल्स कमजोर हो जाए तो नीचे पैर की तरफ आने वाले ब्लड को वापस ऊपर हार्ट की तरफ भेजने में मेहनत लगेगी और हार्ट तक ब्लड का सर्कुलेशन कम होगा। हार्ट को ज्यादा पंप करना होगा और ज्यादा मेहनत करनी होगी। जिससे सूजन बढ़ेगी और ब्लड प्रेशर हाई होगा। जिसकी वजह से हार्ट फेल होने का रिस्क भी बढ़ने लगेगा। सबसे खास बात कि किसी भी दवा से इसे पूरी तरह ठीक नहीं किया जा सकता।

पिंडलियों की मांसपेशियों को कैसे मजबूत बनाएं : हार्ट हेल्थ की मजबूती के लिए काल्फ मसल्स को भी मजबूत बनाना होगा। काल्फ मसल्स की मजबूती के लिए सबसे पहला काम घंटों बैठना अवॉएड करना है। मॉडर्न लाइफस्टाइल में घंटों बैठना पड़ता है और बहुत कम चलना पड़ता है। पिंडलियों की मांसपेशियों को मजबूत बनाना है तो

- रोजाना वॉक करें
- डेस्क पर बैठने वाले लोग हील रेज वाली एक्सरसाइज करें।
- सीढ़ियां चढ़ें

अगर एक हार्ट कमजोर होगा तो दूसरे को नुकसान जरूर होगा। खासतौर पर काल्फ मसल्स की वीकनेस हार्ट हेल्थ पर असर डालती है।

डिस्क्लेमर : यह लेख मात्र सामान्य जानकारी के लिए है। किसी भी प्रयोग से पहले विशेषज्ञ की राय अवश्य लें।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने नई दिल्ली में सेमीकॉन इंडिया 2025 का उद्घाटन किया

• **जालंधर ब्रीज** . नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने नई दिल्ली स्थित यशोभूमि में भारत के सेमीकंडक्टर इकोसिस्टम को गति प्रदान करने के उद्देश्य से आयोजित 'सेमीकॉन इंडिया-2025' का उद्घाटन किया। इस अवसर पर उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने देश-विदेश के सेमीकंडक्टर उद्योग के मुख्य कार्यकारी अधिकारियों और उनके सहयोगियों की उपस्थिति का आभार व्यक्त किया। उन्होंने विभिन्न देशों से आए विशिष्ट अतिथियों, स्टार्ट-अप से जुड़े उद्यमियों और देश भर के विभिन्न राज्यों से आए युवा छात्रों का स्वागत किया।

मोदी ने कहा कि वे कल रात ही जापान और चीन की अपनी यात्रा से लौटे हैं और आज आकांक्षाओं और आत्मविश्वास से परिपूर्ण यशोभूमि के इस परिसर में दर्शकों के बीच उपस्थित हैं। हमेशा से स्वाभाविक और सर्वविदित प्रौद्योगिकी के प्रति अपने जुनून का उल्लेख करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि हाल ही में अपनी जापान यात्रा के दौरान, उन्हें जापानी प्रधानमंत्री शिगेरु इशिबा के साथ टोक्यो इलेक्ट्रॉन कारखाने का दौरा करने का अवसर मिला। उन्होंने बताया कि उस कंपनी के सीईओ आज दर्शकों के बीच उपस्थित हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि प्रौद्योगिकी के प्रति उनका झुकाव उन्हें बार-बार ऐसे लोगों के बीच लाता है। प्रधानमंत्री ने कहा कि आज दर्शकों के बीच उपस्थित होकर उन्हें अत्यंत प्रसन्नता का अनुभव हो रहा है।

दुनिया भर के 40 से 50 देशों के सेमीकंडक्टर क्षेत्र के विशेषज्ञों की उपस्थिति को देखते हुए, मोदी ने कहा कि भारत की नवाचार और युवा शक्ति भी इस कार्यक्रम में स्पष्ट रूप से उपस्थित है। उन्होंने कहा कि यह अनूठा संयोजन एक स्पष्ट संदेश देता है कि दुनिया भारत पर भरोसा करती है, दुनिया भारत में विश्वास करती है और दुनिया भारत के साथ सेमीकंडक्टर का भविष्य बनाने के लिए तैयार है। प्रधानमंत्री ने सेमीकॉन इंडिया में उपस्थित सभी विशिष्ट अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि वे एक विकसित और आत्मनिर्भर राष्ट्र बनने की दिशा में भारत की यात्रा में महत्वपूर्ण भागीदार हैं।

हाल ही में जारी इस वर्ष की पहली तिमाही के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के आंकड़ों का उल्लेख करते हुए, प्रधानमंत्री ने कहा कि एक बार फिर, भारत ने हर आशा, हर अनुमान और हर पूर्वानुमान को पीछे छोड़ दिया है। उन्होंने कहा कि जहां दुनिया भर की

अर्थव्यवस्थाएं आर्थिक निज स्वार्थ से प्रेरित चिंताओं और चुनौतियों का सामना कर रही हैं, वहीं भारत ने 7.8 प्रतिशत की विकास दर हासिल की है। मोदी ने कहा कि यह वृद्धि सभी क्षेत्रों—विनिर्माण, सेवा, कृषि और निर्माण—में दिखाई दे रही है और हर क्षेत्र में उत्साह साफ़ दिखाई देता है। उन्होंने कहा कि भारत का त्वरित विकास सभी उद्योगों और प्रत्येक नागरिक में नई ऊर्जा का संचार कर रहा है। उन्होंने कहा कि विकास की यह गति भारत को दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर तेज़ी से अग्रसर कर रही है।

सेमीकंडक्टर की दुनिया में अक्सर कहा जाता है कि 'तेल काला सोना था, लेकिन चिप डिजिटल हीरे हैं', इस कथन पर अपने विचार व्यक्त करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि तेल ने पिछली सदी को आकार दिया और दुनिया का भाग्य तेल के कुओं से तय होता है। वैश्विक अर्थव्यवस्था में उतार-चढ़ाव इस बात पर निर्भर करता था कि इन कुओं से कितना पेट्रोलियम निकाला गया। हालांकि, 21वीं सदी की शक्ति अब छोटी चिप में केंद्रित है। आकार में छोटे होने के बावजूद, ये चिप वैश्विक प्रगति को तेज़ी से बढ़ाने की क्षमता रखते हैं। मोदी ने कहा कि वैश्विक सेमीकंडक्टर बाज़ार पहले ही 600 अरब डॉलर तक पहुंच चुका है और आने वाले वर्षों में इसके 1 ट्रिलियन डॉलर को पार करने की आशा है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि जिस गति से भारत सेमीकंडक्टर क्षेत्र में आगे बढ़ रहा है, उसे देखते हुए इस 1 ट्रिलियन डॉलर के बाज़ार में भारत की महत्वपूर्ण हिस्सेदारी होगी।

भारत की त्वरित गति से प्रगति का उल्लेख करते हुए मोदी ने याद दिलाया कि वर्ष 2021 में सेमीकॉन इंडिया कार्यक्रम शुभारंभ किया गया था। उन्होंने कहा कि वर्ष 2023 तक, भारत का पहला सेमीकंडक्टर संयंत्र स्वीकृत हो चुका है। वर्ष 2024 में कई और संयंत्रों को स्वीकृति मिल गई है और वर्ष 2025 में पांच अतिरिक्त परियोजनाओं को स्वीकृति मिल गई है। उन्होंने कहा कि कुल मिलाकर, दस सेमीकंडक्टर परियोजनाएं वर्तमान में जारी हैं, जिनमें अठारह अरब डॉलर से अधिक यानी 1.5 लाख करोड़ रूपये से ज़्यादा का निवेश शामिल है। प्रधानमंत्री ने बल देते कहा कि यह भारत में बढ़ते वैश्विक विश्वास को दर्शाता है।

सेमीकंडक्टर क्षेत्र में गति के महत्व पर ज़ोर देते हुए मोदी ने कहा कि फ़ाइल से फ़ैक्टरी तक का समय जितना कम होगा और कागजी प्रक्रिया जितनी कम होंगी, वेफ़र का काम उतनी ही जल्दी शुरू हो सकेगा। उन्होंने कहा कि सरकार इसी दृष्टिकोण से कार्य कर रही है। राष्ट्रीय एकल खिड़की प्रणाली लागू की गई है, जिससे केंद्र और राज्य दोनों से सभी स्वीकृतियां एक ही स्थान पर प्राप्त की जा सकेंगी। उन्होंने कहा कि इसके परिणामस्वरूप, निवेशकों को लंबी कागजी प्रक्रिया से मुक्ति मिल गई है। प्रधानमंत्री ने कहा कि देश भर में प्लग-एंड-प्ले इंफ्रास्ट्रक्चर मॉडल के तहत सेमीकंडक्टर पार्क विकसित किए जा रहे हैं, जो भूमि, बिजली आपूर्ति, बंदरगाह और हवाई अड्डे की कनेक्टिविटी और कुशल श्रमिकों के एक समूह तक पहुंच जैसी सुविधाएं प्रदान करते हैं।

उन्होंने कहा कि जब इस तरह के बुनियादी ढांचे को प्रोत्साहनों के साथ जोड़ा जाता है, तो औद्योगिक विकास अवश्यंभावी है। चाहे पीएलआई प्रोत्साहनों के माध्यम से हो या डिज़ाइन लिंक्ड अनुदानों के माध्यम से, भारत शुरूआत से अंत तक क्षमताएं प्रदान कर रहा है। उन्होंने कहा कि यही कारण है कि निवेश का प्रवाह जारी है।

शाह ने जम्मू का दौरा किया और जम्मू संभाग के वर्षा, बाढ़ एवं भूस्खलन प्रभावित क्षेत्रों का दौरा कर प्राकृतिक आपदा से हुए नुकसान का जायजा लिया

• **जालंधर ब्रीज** . नई दिल्ली

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने जम्मू का दौरा किया और जम्मू संभाग के वर्षा, बाढ़ एवं भूस्खलन प्रभावित क्षेत्रों का दौरा कर प्राकृतिक आपदा से हुए नुकसान का जायजा लिया। गृह मंत्री जम्मू में चक मांगू गांव के बाढ़-प्रभावित लोगों से भी मिले।

दौरे के बाद केन्द्रीय गृह मंत्री की अध्यक्षता में एक उच्चस्तरीय बैठक में ताज़ा स्थिति की समीक्षा की गई। बैठक में जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा, मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला, केन्द्र सरकार एवं केन्द्रशासित प्रदेश सरकार के वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए।

केन्द्रीय गृह मंत्री ने हाल की घटनाओं में हुई जन-हानि पर दुख व्यक्त किया। शाह ने कहा कि संकट की इस घड़ी में, पहले दिन से ही प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने केन्द्रशासित प्रदेश के उपराज्यपाल और मुख्यमंत्री से बात की है और भारत सरकार ने बचाव कार्यों में अपनी पूरी शक्ति लगा दी है। शाह ने कहा कि केन्द्रशासित प्रदेश और सभी एजेंसियों ने मिलकर संभावित नुकसान को बहुत कम किया है और समन्वित प्रयासों के साथ हम कई जानें बचाने में सफल हुए हैं। अमित शाह ने कहा कि हमारी

अमित शाह ने तवी पुल, शिव मंदिर और जम्मू में बाढ़ से क्षतिग्रस्त हुए घरों का भी निरीक्षण किया।

सभी अर्ली वॉर्निंग एप्स (EWAs) की पद्धतियों, उनकी सटीकता और उनकी जमीनी पहुँच का क्रिटिकल एनिलिसिस होना चाहिए। उन्होंने कहा कि बार-बार समीक्षा कर व्यवस्था में सुधार करना ही हमें ज़ीरो कैज़ुअल्टी अप्रोच की दिशा में लेकर जा सकता है। केन्द्रीय गृह मंत्री ने कहा कि मौसम विभाग व NDMA को डेटा एनालिटिक्स और AI के उपयोग से बादल फटने के कारणों का अध्ययन करना चाहिए। उन्होंने कहा कि भारतीय खाद्य निगम (FCI) पर्याप्त राशन की व्यवस्था करे और 10 दिन बाद कनेक्टिविटी की स्थिति को देखते हुए राशन की डिलिवरी ऑफलाइन करने का निर्णय लिया जा सकता है। अमित शाह ने कहा कि एक-दो दिन में ही गृह मंत्रालय की सर्वेक्षण टीमें यहाँ नुकसान का जायजा लेने आएंगी और उसके बाद सहायता भी प्रदान की जाएगी। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य और जल विभाग को सक्रिय होकर जल आपूर्ति और स्वास्थ्य सेवाओं पर ध्यान देना चाहिए। उन्होंने इस बात पर बल दिया कि सेना, केन्द्रीय सशस्त्र पुलिस बल और वायु सेना के मेडिकल दस्तों की सहायता ली जा सकती है।

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री ने कहा कि चूँकि जम्मू-कश्मीर प्राकृतिक आपदा-संभावित क्षेत्र है इसीलिए केन्द्र के हिस्से के रूप में राज्य आपदा मोचन निधि (SDRF) के लिए 209 करोड़ रुपये की राशि केन्द्रशासित प्रदेश को आवंटित की गई है, जिससे यहाँ राहत कार्य शुरू हो गया है। गृह मंत्री ने कहा कि केन्द्र सरकार और केन्द्रशासित प्रदेश आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (UTDMA) द्वारा समय पर दी गई चेतावनियों से जन-माल के नुकसान को कम करने में मदद मिली। राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (NDRF), सेना, केन्द्रशासित प्रदेश आपदा मोचन बल (UTDRF), अन्य प्रतिक्रिया दल, सभी अलर्ट पर थे और हेलीकॉप्टर भी तैयार थे। उन्होंने कहा कि सेना और NDRF की तैनाती के बारे में भी सभी को सूचित कर दिया गया था।

अमित शाह ने कर्रेगुट्टालु पहाड़ी ऑपरेशन ब्लैक फॉरेस्ट में वीर जवानों से मिलकर सम्मानित किया

• **जालंधर ब्रीज** . नई दिल्ली

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कर्रेगुट्टालु पहाड़ी पर 'ऑपरेशन ब्लैक फॉरेस्ट' को सफलतापूर्वक अंजाम देने वाले CRPF, छत्तीसगढ़ पुलिस, DRG और कोबरा के जवानों से नई दिल्ली में भेंट की और उन्हें सम्मानित किया। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय और उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा भी उपस्थित थे।

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री ने कर्रेगुट्टालु पहाड़ी पर चले अब तक के सबसे बड़े नक्सल विरोधी अभियान 'ऑपरेशन ब्लैक फ़ॉरेस्ट' में वीर जवानों द्वारा शौर्यपूर्ण प्रदर्शन कर अभियान को सफल बनाने के लिए सभी सुरक्षाबलों के जवानों को हृदय से बधाई दी। उन्होंने कहा कि नक्सलियों के विरुद्ध अभियान के इतिहास में 'ऑपरेशन ब्लैक फॉरेस्ट' के दौरान जवानों का शौर्य और पराक्रम एक स्वर्णिम अध्याय के रूप में दर्ज होगा।

अमित शाह ने कहा कि मोदी सरकार तब तक चैन से नहीं बैठेगी जब तक सभी नक्सली या तो आत्मसमर्पण न कर दें, पकड़े न जाएँ या समाप्त न हो जाएँ। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में हम भारत को नक्सलमुक्त बनाकर ही रहेंगे।

केन्द्रीय गृह मंत्री ने कहा कि गर्मी, ऊँचाई और हर कदम पर IED के खतरों के बावजूद सुरक्षाबलों ने बुलंद हौसले के साथ अभियान को सफल बनाकर नक्सलियों का बेस कैंप समाप्त

किया। उन्होंने कहा कि कर्रेगुट्टालु पहाड़ी पर बने नक्सलियों के मैटीरियल डंप और सप्लाई चेन को छत्तीसगढ़ पुलिस, CRPF, DRG और कोबरा के जवानों ने पराक्रम से नष्ट कर दिया।

अमित शाह ने कहा कि नक्सलियों ने देश के सबसे कम विकसित क्षेत्रों को बहुत नुकसान पहुँचाया है, स्कूल और अस्पताल बंद कर दिए और सरकारी योजनाओं को स्थानीय लोगों तक नहीं पहुँचने दिया। उन्होंने कहा कि नक्सलविरोधी अभियानों के कारण पशुपतिनाथ से लेकर तिरुपति तक के क्षेत्र में साढ़े 6 करोड़ लोगों के जीवन में नया सूर्योदय हुआ है। शाह ने कहा कि नक्सलविरोधी अभियानों में गंभीर शारीरिक क्षति उठाने वाले सुरक्षाबलों के जीवन को सुचारू रूप से चलाने के लिए मोदी सरकार हरसंभव प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार का संकल्प है कि हम 31 मार्च, 2026 तक देश को नक्सलवाद से मुक्त कर देंगे।

भारतीय रेलवे गुरु तेग बहादुर जी के 350वें शहीदी दिवस के उपलक्ष्य में युवा पीढ़ी को उनकी शिक्षाओं और बलिदानों के बारे में जागरूक करेगा

• **जालंधर ब्रीज** . नई दिल्ली

भारतीय रेलवे माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में गुरु तेग बहादुर जी के 350वें शहीदी दिवस को सम्मानपूर्वक मनाने के लिए तैयार है। इस पहल का उद्देश्य युवा पीढ़ी में श्रद्धेय सिख गुरु जी की शिक्षाओं और बलिदान के बारे में जागरूकता फैलाना है।

माननीय रेल एवं खाद्य प्रसंस्करण उद्योग राज्य मंत्री रवनीत सिंह ने आज नई दिल्ली स्थित रेल भवन में आयोजित एक उच्च स्तरीय बैठक को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि भारतीय रेलवे इस ऐतिहासिक घटना के स्मरणोत्सव के लिए विभिन्न सिख संस्थाओं एवं संगठनों के नेताओं द्वारा दिए गए बहुमूल्य सुझावों का स्वागत करती है। रवनीत सिंह ने कहा कि यह पहल सिखों के नौवें गुरु, गुरु तेग बहादुर जी की विरासत का सम्मान करने के लिए भारतीय रेलवे और सिख समुदाय के बीच एक ऐतिहासिक सहयोग का प्रतीक है, जिनका धार्मिक स्वतंत्रता के लिए दिया गया सर्वोच्च बलिदान पीढ़ियों को प्रेरित करता रहेगा।

रवनीत सिंह ने बताया कि यह पहली बार था जब आगामी शताब्दी समारोह के लिए सभी प्रमुख सिख

संगठनों की आवश्यकताओं एवं सुझावों पर चर्चा करने के लिए रेल भवन में एक विशेष बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में देश भर के सभी रेलवे स्टेशनों और रेलगाड़ियों में गुरु तेग बहादुर जी के उपदेशों को प्रदर्शित करने, शताब्दी वर्ष के दौरान विभिन्न स्थानों से विशेष स्मारक ट्रेनें चलाने, हरियाणा, पटना एवं हजूर साहिब के सभी रेलवे स्टेशनों पर पंजाबी साइनबोर्ड लगाने, सचखंड एक्सप्रेस जैसी ट्रेनों में स्वच्छता बढ़ाने, ट्रेन में लंगर (सामुदायिक भोजन) की व्यवस्था करने, सभी तीर्थयात्रा ट्रेनों में सुविधाओं में सुधार व प्रमुख सिख तीर्थ स्थलों, विशेष रूप से दिल्ली से संपर्क बढ़ाने पर चर्चा की गई। इस अवसर पर विभिन्न प्रस्ताव रखे गए, जिनमें दिल्ली रेलवे स्टेशन का नाम बदलकर गुरु तेग बहादुर रेलवे स्टेशन करना; पटना साहिब स्टेशन पर पैंट्री कार सुविधाओं और बेहतर बुनियादी ढांचे के साथ तख्त पटना साहिब के लिए दैनिक ट्रेन सेवाएं, जिसमें लिफ्ट व एस्केलेटर भी शामिल हैं; तीर्थयात्रा वाले स्टेशनों पर बेहतर स्वच्छता प्रबंधन तथा वंदे भारत एक्सप्रेस के माध्यम से पटना साहिब तक बेहतर पहुंच; तीन महीने की अवधि हेतु पांच तख्तों को जोड़ने वाली एक विशेष ट्रेन शुरू करना; करनाल व कुरुक्षेत्र जैसे प्रमुख स्थानों पर ट्रेन के ठहराव में वृद्धि; वंदे भारत एवं अमृत भारत एक्सप्रेस जैसी आधुनिक ट्रेनों के माध्यम से हजूर साहिब और अन्य तख्तों तक बेहतर संपर्क स्थापित करना शामिल है।

रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष सतीश कुमार ने सभी प्रतिनिधियों को आश्वासन दिया कि भारतीय रेलवे इन सुझावों पर उचित विचार करेगा और शताब्दी समारोह की सफलता सुनिश्चित करने के लिए बेहतर कदम उठाएगा।

पोषण भी पढ़ाई भी : भारत के भविष्य के लिए खेल-आधारित शिक्षा

• **जालंधर ब्रीज** . नई दिल्ली

यदि हमें विकसित भारत का निर्माण करना है, तो हमें शुरुआत —अपने सबसे छोटे नागरिकों की क्षमता के विकास से करनी होगी, जहाँ से जीवन का आगाज़ होता है। आंगनवाड़ी केंद्र में बच्चों की खिलखिलाती हँसी में, उनके द्वारा गायी जाने वाली कविताओं में और उनके द्वारा बनाए जाने वाले ब्लॉक में हमारे राष्ट्र के भविष्य का सामर्थ्य आकार लेता है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में, भारत ने अपने सबसे छोटे नागरिकों को अपनी विकास यात्रा के केंद्र में रखा है।

अन्नपूर्णा देवी
(केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री, भारत सरकार)

प्रधानमंत्री ने न केवल विश्वविद्यालयों और डिजिटल बुनियादी ढाँचे में निवेश करके, अपितु बच्चे के जीवन की पहली कक्षा: आंगनवाड़ी के अतिशय महत्व को पहचानते हुए हमारी राष्ट्रीय प्राथमिकताओं को नए सिरे से परिभाषित किया है। आज के भारत में, खेल अब सिर्फ़ मनोरंजन भर नहीं, अपितु —नीति है। और इसके परिणाम बिल्कुल स्पष्ट और विश्वसनीय हैं। पिछले एक दशक में, मोदी सरकार ने प्रारंभिक बाल्यावस्था के विकास के प्रति अपने दृष्टिकोण को मूलभूत रूप से पुनर्परिभाषित किया है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 निर्णायक मोड़ साबित हुई, जिसमें यह स्वीकार किया गया कि मस्तिष्क का 85 प्रतिशत विकास छह साल की उम्र से पहले ही हो जाता है। यदि हम स्मार्ट, स्वस्थ और अधिक उपयोगी आबादी चाहते हैं, तो हमें वहाँ निवेश करना होगा जहाँ इसकी सबसे ज़्यादा ज़रूरत है—जीवन के शुरुआती छह वर्षों में। वैज्ञानिक प्रमाण इस बदलाव का समर्थन करते हैं। सीएमसी वेल्लोर के क्लिनिकल महामारी विज्ञान विभाग द्वारा किए गए एक अध्ययन में पाया गया कि जिन बच्चों को 18 से 24 महीने तक व्यवस्थित प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल और शिक्षा (ईसीसीई) मिली, उनके आईक्यू में—पाँच साल की उम्र तक 19 अंक तक, और नौ साल की उम्र तक तो 5 से 9 अंक तक की उल्लेखनीय और स्थायी वृद्धि देखी गई।

शिवराज सिंह चौहान ने किसानों की शिकायतों के समाधान के लिए की उच्चस्तरीय बैठक

• **जालंधर ब्रीज** . नई दिल्ली

केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण और ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने आज दिल्ली में उच्चस्तरीय बैठक कर, किसानों से कॉल सेंटर एवं अन्य पोर्टल्स के माध्यम से मिलने वाली शिकायतों के समाधान के संबंध में समीक्षा की। बैठक में शिवराज सिंह ने अलग-अलग पोर्टल की जगह किसानों की सुविधा के लिए उनकी शिकायतों, सुझाव तथा अन्य सहायता के लिए एक ही समर्पित पोर्टल बनाने और समस्याओं का जल्द से जल्द समुचित निराकरण करने का निर्देश अधिकारियों को दिया। केंद्रीय मंत्री श्री चौहान ने कहा कि वे स्वयं नियमित रूप से किसानों से मिली शिकायतों की समीक्षा करेंगे, ताकि उन्हें त्वरित राहत प्रदान की जा सकें।

किसानों से प्राप्त शिकायतों व हेल्पलाइन नंबर पर आ रही कॉल्स को लेकर केंद्रीय कृषि मंत्री चौहान ने गंभीरता दिखाते हुए कहा कि किसानों की समस्याओं के समाधान में कोई

देरी नहीं होना चाहिए। शिवराज सिंह ने कहा कि किसानों के हित में सभी अधिकारी पूरी पारदर्शिता, विश्वसनीयता एवं संवेदनशीलता से काम करते हुए व्यवस्था को और सुदृढ करें। व्यवस्था ऐसी होना चाहिए, जिससे कि किसानों की शिकायतों का रीयल टाइम में उचित समाधान हो सकें। हम सभी की कोशिश यहीं होना चाहिए कि किसान हर हाल में खुशहाल रहें और खेती समृद्ध हों।

बैठक में केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह ने अधिकारियों से, किसानों से मिलने वाली शिकायतों की जानकारी ली, जिसमें अनेक शिकायतें नकली या घटिया खाद-बीज एवं कीटनाशक के संबंध में हैं। शिवराज सिंह ने इन शिकायतों का समाधान प्राथमिकता से करने का निर्देश देते हुए कहा कि उन्हें राज्यों में प्रवास के दौरान भी ऐसी शिकायतें मिलती है, किसानों को हमें लुटने से बचाना चाहिए और इसके लिए अमानक खाद-बीज, कीटनाशक की बिक्री पर सख्ती से रोक लगाना होगी। केंद्र के अधिकारी अपने स्तर पर कार्रवाई के साथ ही राज्य सरकारों के साथ मिलकर कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित करें, ताकि हमारे किसान भाई-बहनों को राहत मिल सकें। शिवराज सिंह ने कहा कि किसानों की इन समस्याओं को हल करने में राज्यों की सहभागिता आवश्यक है। वे स्वयं इस संबंध में मुख्यमंत्रियों को पत्र लिख चुके हैं, आगे वर्चुअल माध्यम से भी राज्यों से चर्चा करेंगे, ताकि किसानों को पूरी तरह से राहत मिल सकें।

अवैध बायोस्टिमुलेंट (जैव उत्तेजक) की पूर्व में हुई बिक्री को लेकर केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह ने एक बार फिर कड़ी नाराजगी जताई। उन्होंने कहा कि बायोस्टिमुलेंट की बिक्री केवल नोटिफाइड प्रोडक्ट्स की ही हो, ये सुनिश्चित करने के लिए राज्य सरकारों के साथ मिलकर कड़े कदम उठाने की आवश्यकता है। केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह ने इसके लिए हरसंभव प्रयास किए जाने हेतु अधिकारियों को निर्देशित किया और अब तक नोटिफाइड 146 बायोस्टिमुलेंट के अलावा अन्य बिना अनुमति प्राप्त बायोस्टिमुलेंट की बिक्री नहीं हो, सुनिश्चित करने पर बल दिया। साथ ही, केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह ने अधिसूचित बायोस्टिमुलेंट के बारे में किसानों को जागरूक करने व प्रमाणित बायोस्टिमुलेंट की सूची सोशल मीडिया द्वारा किसानों तक पहुंचाने के निर्देश भी दिए।

भारत का आर्थिक मंथन और विकास का अमृत

• **जालंधर ब्रीज** . नई दिल्ली

भारतीय सभ्यता में अरसे से यह मान्यता रही है कि कामयाबी से पहले परीक्षा होती है। समुद्र मंथन, जहां मथने की प्रकिया से अमृत निकला था, इसी तरह हमारे आर्थिक मंथन ने भी हमेशा ही नवीनता का मार्ग प्रशस्त किया है। वर्ष1991 के संकट से जहां उदारीकरण का जन्म हुआ; वहीं महामारी से डिजिटल उपयोग तेज हुआ। और आज, भारत को एक "मृत अर्थव्यवस्था" कहने वाले संशयवादियों के शोर-शराबे के बीच - तीव्र विकास, मजबूत बफर, और व्यापक अवसर - की एक तथ्यपरक कहानी उभर कर सामने आई है।

हरदीप सिंह पुरी
(केन्द्रीय पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री है)

जीडीपी के ताजा आंकड़ों पर जरा गौर करें। वित्तीय वर्ष 2025-26 की पहली तिमाही में वास्तविक जीडीपी 7.8 प्रतिशत की दर से बढ़ी। यह वृद्धि दर पिछली पांच तिमाहियों में सबसे अधिक है। महत्वपूर्ण बात यह है कि यह वृद्धि व्यापक है: सकल मूल्य वर्धन (जीवीए) 7.6 प्रतिशत बढ़ा है, जिसमें मैन्यूफैक्चरिंग 7.7 प्रतिशत, निर्माण 7.6 प्रतिशत और सेवा क्षेत्र लगभग 9.3 प्रतिशत बढ़ा है। नॉमिनल जीडीपी में 8.8 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। यह कोई मनमाने तरीके से बताई गई तेजी नहीं है। यह बढ़ते उपभोग, मजबूत निवेश और निरंतर सार्वजनिक पूंजीगत व्यय व पूरी अर्थव्यवस्था में लागत कम करने वाले लॉजिस्टिक्स संबंधी सुधारों से हासिल नतीजों का सबूत है। भारत अब दुनिया की चौथी सबसे बड़ी और सबसे तेज गति से बढ़ने वाली प्रमुख अर्थव्यवस्था है। यह तेजी के मामले में दुनिया की पहली और दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं क्रमशः अमेरिका और चीन से भी आगे निकल गई है। वर्तमान गति से, हम इस दशक के अंत तक जर्मनी को पीछे छोड़कर बाजार-विनिमय के संदर्भ में तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर हैं। हमारी गति वैश्विक स्तर पर मायने रखती है। स्वतंत्र अनुमान बताते हैं कि भारत पहले से ही वैश्विक वृद्धि में 15 प्रतिशत से अधिक का योगदान दे रहा है। प्रधानमंत्री ने एक स्पष्ट लक्ष्य रखा है — सुधारों के मजबूत होने और नई क्षमताओं के सामने आने के साथ-साथ वैश्विक वृद्धि में हमारी हिस्सेदारी बढ़कर 20 प्रतिशत तक पहुंचे।

राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया ने टांडा के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का किया दौरा

कहा- संकट की घड़ी में पंजाब व केंद्र सरकार पूरी ताकत के साथ लोगों के साथ है

• **जालंधर ब्रीज.** टांडा/होशियारपुर

पंजाब के राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया ने आज टांडा के बाढ़ प्रभावित इलाकों का दौरा कर मौके की स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने सबसे पहले रड़ा पुल का निरीक्षण कर धुस्सी बांध की स्थिति का आकलन किया और किसानों से सीधे संवाद कर उनकी समस्याएं सुनी। इसके उपरांत वे गांव मियाणी के सरकारी हाई स्कूल में बनाए गए राहत शिविर पहुंचे, जहां बाढ़ से प्रभावित लोगों से बातचीत की और उनके हालात की जानकारी ली। उन्होंने राहत कार्यों में जुटी विभिन्न स्वयंसेवी संस्थाओं (एनजीओज) के प्रतिनिधियों से भी विचार-विमर्श किया और उनकी सेवाओं की सराहना की। इस दौरान डिप्टी कमिश्नर आशिका जैन ने उनको पीपीटी के माध्यम से ज़िले की बाढ़ संबंधी से विस्तार से परिचित करवाया।

पत्रकारों से बातचीत में राज्यपाल कटारिया ने कहा कि इस संकट की घड़ी में पंजाब सरकार और केंद्र सरकार पूरी मजबूती के साथ प्रभावित लोगों के साथ खड़ी हैं। उन्होंने कहा कि जहां पंजाब सरकार की पूरी टीम बचाव व राहत कार्यों में दिन रात जुटी हुई है, वहीं केंद्रीय कृषि मंत्री व केंद्रीय टीम भी बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का लगातार दौरे पर हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि बाढ़ग्रस्त क्षेत्रों में ड्रेनेज व्यवस्था को और मजबूत बनाने के लिए ठोस कदम उठाए जाएंगे। जिला प्रशासन द्वारा भेजे जाने वाले मुआवजा प्रस्तावों को वे केंद्र के प्रतिनिधि के तौर पर भारत सरकार तक पहुंचाकर उनकी स्वीकृति सुनिश्चित करेंगे।

राज्यपाल ने कहा कि इस बाढ़ से प्रदेशभर में गंभीर स्थिति उत्पन्न हुई है। प्रभावित क्षेत्रों में डेरों तक राहत सामग्री पहुंचाई जा रही है। विशेषकर होशियारपुर जिला, जो पौंग डैम से छोड़े गए पानी के चलते प्रभावित हुआ है, में प्रशासन लगातार सक्रिय है। वर्तमान में जिले में पांच राहत शिविर चल रहे हैं, जहां लगभग एक हजार लोग ठहरे हुए हैं। विधायक और जिला प्रशासन की टीमें दिन-रात राहत और बचाव कार्य में जुटी हुई हैं। उन्होंने कहा कि धुस्सी बांध की सुरक्षा के लिए ब्यास पुल के समीप दोनों ओर पत्थरों की पिचिंग का प्रस्ताव भेजा जाएगा, जिससे भविष्य में कटाव की समस्या से राहत मिल सके। राज्यपाल ने यह भी कहा कि फसलों के नुकसान के साथ-साथ जिन लोगों के घर बाढ़ से प्रभावित हुए हैं, उन्हें प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत लाभ दिलाने के लिए भी प्रस्ताव भेजने के निर्देश दिए गए हैं।

इस अवसर पर विधायक टांडा जसवीर सिंह राजा गिल, राज्यपाल के प्रिंसिपल सचिव वी.पी. सिंह, डिप्टी कमिश्नर आशिका जैन, एसएसपी संदीप कुमार मलिक, एडीसी (विकास) निकास कुमार, सहायक कमिश्नर ओएशी मंडल, एसडीएम टांडा परमप्रीत सिंह, एसपी डॉ. मुकेश सहित प्रशासनिक व पुलिस अधिकारी मौजूद थे।

यूके में भारत के ऑनरेरी कौंसिल जनरल ने पीएसआईसी मुख्यालय का दौरा किया

• **जालंधर ब्रीज.** चंडीगढ़

इंग्लैंड में भारत के ऑनरेरी कौंसिल जनरल जेएम मीनू मल्होत्रा ने आज चंडीगढ़ में पंजाब राज्य सूचना आयोग (पीएसआईसी) मुख्यालय का दौरा किया। उन्होंने पंजाब के मुख्य सूचना आयुक्त इंदरपाल सिंह धन्ना और राज्य सूचना आयुक्त हरप्रीत संधू से मुलाकात की। उन्होंने शासन और पारदर्शिता में अंतरराष्ट्रीय सहयोग के महत्व पर चर्चा की। राज्य सूचना आयुक्त संधू ने कहा कि बैठक के दौरान शासन और पारदर्शिता के क्षेत्रों में भारत और यूके दोनों के प्रभावी अनुभवों और अभ्यासों को अपनाने पर विचार-विमर्श किया गया।

ऑनरेरी कौंसिल जनरल जेएम मीनू मल्होत्रा और राज्य सूचना आयुक्त हरप्रीत संधू की यह मुलाकात और बातचीत पंजाब में पारदर्शिता और सुशासन को बढ़ावा देने के लिए साझा प्रतिबद्धता को दर्शाती है। इस अवसर पर पुलिस महानिदेशक, पंजाब अमरदीप सिंह राय और संदीप एस. धालीवाल, राज्य सूचना आयुक्त भी उपस्थित थे।

अफगानिस्तान को सहायता पर बाढ़ प्रभावित पंजाब की मदद में झिझक क्यों : चीमा

जीएसटी मुआवजा जारी रखने के लिए भी की जोरदार वकालत

• **जालंधर ब्रीज.** चंडीगढ़

पंजाब के वित्त, योजना, आबकारी एवं कराधान मंत्री एडवोकेट हरपाल सिंह चीमा ने केंद्र सरकार से अपील की है कि जिस तरह वह तालिबान शासित अफगानिस्तान को मानवीय आधार पर सहायता भेज रही है, उसी तरह पंजाब के प्रति भी संवेदनशीलता दिखाए। उन्होंने केंद्र सरकार से सवाल किया कि अफगानिस्तान को तो तुरंत राहत सामग्री भेजी गई, लेकिन बाढ़ से प्रभावित पंजाब को वित्तीय और मानवीय सहायता देने में देरी क्यों हो रही है। वित्त मंत्री चीमा ने जोर देकर कहा कि पंजाब, जिसने लगातार देश की अन्न सुरक्षा और आर्थिक ताकत में योगदान दिया है, को मुश्किल की घड़ी में तुरंत और पर्याप्त सहायता मिलनी चाहिए। उन्होंने सवाल किया कि यदि मानवीय सहायता सीमाओं के पार भेजी जा सकती है, तो फिर अपने ही लोगों की मदद करने में झिझक क्यों?

वित्त मंत्री चीमा ने केंद्र से अपील की कि वह बाढ़ प्रभावित नागरिकों के कल्याण को प्राथमिकता दे और राहत पैकेज, बुनियादी ढांचे की सहायता तथा पुनर्वास के कार्यों को तेज करे। उन्होंने बाढ़ पीड़ितों की मदद के लिए मुख्यमंत्री राहत कोष में खुले दिल से दान देने की अपील भी की। उन्होंने भरोसा दिलाया कि प्राप्त हुई हर सहायता पारदर्शी और जवाबदेही के साथ खर्च की जाएगी, ताकि एक-एक रुपया जरूरतमंदों तक पहुँच सके। इसी दौरान वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने उपभोक्ताओं के हित में जी.एस.टी. दरों की कटौती का स्वागत करते हुए कहा कि आम आदमी पार्टी (आप) शुरू से ही इसकी मांग कर रही थी। उन्होंने कहा कि नए 2-स्लैब जी.एस.टी. दर ढांचे के लाभ आम लोगों तक पहुँचने चाहिए, ताकि महंगाई से जूझ रहे लोगों को राहत मिल सके। साथ ही उन्होंने यह भी याद दिलाया कि जब जी.एस.टी. प्रणाली पहली बार लागू की गई थी, तब सभी राज्यों ने इस शर्त पर इसका समर्थन किया था कि जब तक उनकी अर्थव्यवस्था स्थिर नहीं होती, केंद्र सरकार किसी भी राजस्व नुकसान की भरपाई करेगी। वित्त मंत्री चीमा ने कहा कि राज्यों की अर्थव्यवस्था अभी भी स्थिर नहीं है और ताजा जी.एस.टी. दरों में कटौती से उन पर और असर पड़ेगा।

वित्त मंत्री ने केंद्र से राज्यों को जीएसटी मुआवजा जारी रखने की अपील करते हुए कहा कि यह बेहद ज़रूरी है, खासकर तब जब कई राज्य इस समय चुनौतियों और प्राकृतिक आपदाओं का सामना कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि विशेष रूप से पंजाब पिछले चार दशकों की सबसे भीषण बाढ़ का सामना कर रहा है और केंद्र सरकार को जीएसटी मुआवजा जारी रखने के साथ-साथ राज्य के बाढ़ पीड़ितों के लिए तुरंत वित्तीय सहायता प्रदान करनी चाहिए।

2.02 किलो हेरोइन, 3.5 लाख ड्रग मनी व 4 पिस्तौल समेत 3 गिरफ्तार

• **जालंधर ब्रीज.** चंडीगढ़/अमृतसर

अमृतसर कमिश्नरेट पुलिस ने सरहद पार से चल रहे संगठित हथियार और हवाला नेटवर्क में शामिल तीन व्यक्तियों को गिरफ्तार किया है। यह जानकारी पंजाब के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) गौरव यादव ने गुरुवार को दी। गिरफ्तार किए गए व्यक्तियों की पहचान अमृतसर के गांव कोट मेहताब निवासी हरप्रीत सिंह (23), तरनतारन के गांव सुरसिंह निवासी गुरपाल सिंह (21) और तरनतारन के गांव वायरिंग निवासी रणजोध सिंह (33) के रूप में हुई है। पुलिस टीमों ने 2.02 किलोग्राम हेरोइन, चार पिस्तौल – एक ग्लॉक और तीन .30 बोर पिस्तौल, 3.5 लाख रुपये हवाला मनी और आरोपियों की मोटरसाइकिल बरामद की है।

पुलिस कमिश्नर (सीपी) अमृतसर गुरप्रीत सिंह भुल्लर ने बताया कि जांच से खुलासा हुआ है कि हरप्रीत वर्ष 2023 में मलेशिया गया था और सात महीने बाद वापस आया था, जबकि गुरपाल वर्ष 2022 में मलेशिया गया और 2023 में लौटा। वे मलेशिया में एक-दूसरे को नहीं जानते थे, लेकिन दोनों पाकिस्तान आधारित एक तस्कर के संपर्क में थे और उसी के निर्देशों पर उन्हें खेपें मुहैया करवाई जाती थीं। सीपी ने कहा कि गुरपाल सिंह के और खुलासों पर जांच के दौरान एक अन्य आरोपी रणजोध का नाम सामने आया।

266.20 ग्राम हेरोइन सहित 9 गिरफ्तार

जालंधर (जालंधर ब्रीज). कमिश्नरेट पुलिस जालंधर द्वारा विभिन्न स्थानों पर और अलग-अलग थानों के अधीन सख़्त कार्रवाई की गई। इस दौरान नशीले पदार्थों की गतिविधियों में शामिल 09 व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया और कुल 266.20 ग्राम हेरोइन बरामद की गई। पुलिस कमिश्नर धनप्रीत कौर ने बताया कि नशों के खिलाफ चलाई जा रही मुहिम के तहत शहर के कई स्थानों पर टारगेटेड रेड की गई। इस कार्रवाई के दौरान 09 व्यक्तियों को गिरफ्तार करके उनके खिलाफ एन.डी.पी.एस. एक्ट के तहत 8 मुकदमे दर्ज किए गए।

'बड़ा बेड़ा' करेगा बाढ़ पीड़ितों की मुश्किलों का समाधान

• **जालंधर ब्रीज.** सुल्तानपुर लोधी

धरती से जुड़े पर्यावरण प्रेमी और राज्यसभा सदस्य संत बलबीर सिंह सीचेवाल ने मंड क्षेत्र के बाढ़ प्रभावित लोगों की परेशानियों का हल निकालने के लिए बड़ा बेड़ा ब्यास नदी की लहरों पर उतार दिया है। आज सुबह संत सीचेवाल ने मंड के बाढ़ग्रस्त इलाके में इस विशाल बेड़े को पानी में उतारा। इसकी क्षमता इतनी है कि इसमें कंबाइन, ट्रैक्टर और करीब तीन दर्जन पशुओं को एक साथ ढोया जा सकता है।

बाढ़ पीड़ितों के साथ कई दिनों तक बातचीत करने के बाद संत सीचेवाल ने बड़ा बेड़ा बनाने का निर्णय लिया था। इसे हकीकत का रूप संत अवतार सिंह यादगारी तकनीकी अनुसंधान केंद्र के मिस्त्रियों ने दिया, जिन्होंने तीन दिन और तीन रातें लगातार काम कर इसे तैयार किया। 34 फुट लंबे और 13 फुट चौड़े इस बेड़े को तैयार करने वाले मिस्त्री वरिंदर सिंह ने बताया कि उन्होंने सहित कुल 6 मिस्त्रियों ने इसे पूरा किया। आकार में बड़ा होने के बावजूद इसमें ऐसा सामान इस्तेमाल हुआ है जो हल्का भी है और मजबूत भी। इस बेड़े को चलाने के लिए पेट्रोल इंजन लगाया जा सकता है।

एनडीआरएफ और स्थानीय गोताखोरों ने सतलुज दरिया पर गिद्दड़पिंडी रेलवे पुल के नीचे फंसी बूटियों को हटाया

डिप्टी कमिश्नर डा. हिमांशु अग्रवाल, एसएसपी हरविंदर सिंह विर्क ने की ऑपरेशन की निगरानी

• **जालंधर ब्रीज.** जालंधर

नैशनल डिजास्टर रिस्पॉन्स फोर्स (एनडीआरएफ) की टीमों और स्थानीय गोताखोरों ने गुरुवार को सतलुज दरिया पर बने गिद्दड़पिंडी रेलवे पुल के नीचे फंसी बूटियों को हटाया जिसके परिणामस्वरूप रुकावट हटने से 2 लाख क्यूसिक पानी का उचित प्रवाह सुनिश्चित हो गया। डिप्टी कमिश्नर डा. हिमांशु अग्रवाल और एसएसपी (जालंधर ग्रामीण) हरविंदर सिंह विर्क ने निजी तौर पर इस ऑपरेशन की निगरानी की। यह ऑपरेशन सख्त निगरानी में जारी रहा। जिला प्रशासन द्वारा एनडीआरएफ के साथ-साथ रेलवे टीम को भी तुरंत बुलाया गया। अधिकारियों ने बताया कि जंगली बूटियां दरिया के प्राकृतिक प्रवाह में रुकावट बन रही थी, जिससे इस स्थान पर रुकावट का संभावी खतरा पैदा हो रहा था। इसके परिणामस्वरूप पिछले वर्षों में गांवों में दरारें पड़ गई थी और बाढ़ आ गई थी। बूटियों को सफलतापूर्वक हटाने के बाद, डा. अग्रवाल ने स्थानीय गोताखोरों और एन.डी.आर.एफ. की टीमों के अथक प्रयासों की सराहना की। डा. अग्रवाल ने इस बात पर जोर दिया कि समय पर कार्रवाई ने एक संभावी खतरे को टाल दिया। उल्लेखनीय है कि वेई और सतलुज गिद्दड़पिंडी से पहले आपस में मिलते हैं। दरिया का रास्ता साफ करने के इस साहसी कार्य ने कई गांवों को फिलहाल बचा लिया, जो शायद बाढ़ के खतरे का सामना कर सकते थे। ऐसी समस्याओं के कारण पिछले वर्षों में आस-पास के गांवों में दरार पड़ गई थी। डिप्टी कमिश्नर डा. हिमांशु अग्रवाल ने बताया कि सतलुज दरिया में जलस्तर कम होना शुरू हो गया है। उन्होंने बताया कि फिल्लौर और गिद्दड़पिंडी, दोनों स्थानों पर मौजूदा जलस्तर में काफी गिरावट आई है।

डिप्टी कमिश्नर ने घरों/फसलों/पशुधन के नुक्सान की जांच के दिए निर्देश

डिप्टी कमिश्नर डा. हिमांशु अग्रवाल ने सभी उप मंडल मैजिस्ट्रेटस को भारी बारिश के कारण आम नागरिकों के घरों, फसलों और पशुधन के नुक्सान की तुरंत जांच सुनिश्चित करने के निर्देश दिए है ताकि उन्हें राहत प्रदान की जा सके। डा. अग्रवाल ने एस.डी.एम.को निर्देश दिए कि राजस्व विभाग और कृषि विभाग के अधिकारियों के सहयोग से पंजाब सरकार द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के अनुसार जांच करवाकर क्षतिग्रस्त घरों की गिनती फसलों और पशुधन के नुक्सान के विवरण सहित रिपोर्ट दो दिनों के भीतर जमा की जाए।

त्वरित रिस्पॉन्स टीमें गठित करने का आदेश

जिले के निचले क्षेत्रों में पानी जमा होने के कारण कीटाणुओं और गंदे पानी से उत्पन्न होने वाली बीमारियों के खतरे को देखते हुए डिप्टी कमिश्नर डा. हिमांशु अग्रवाल ने विभिन्न विभागों को तत्काल निवारक उपाय करने के निर्देश दिए है ताकि इन बीमारियों को फैलने से रोका जा सके। उन्होंने स्वास्थ्य और पंचायत विभाग को निर्देश दिया कि उच्च जोखिम वाले क्षेत्रों में घर-घर सर्वेक्षण के लिए तत्काल रिस्पॉन्स टीमें गठित करके उनकी तैनाती सुनिश्चित की जाए। संभावित मामलों से निपटने के लिए सभी आवश्यक दवाएं, डायग्नोस्टिक किट और हॉस्पिटलों में बेड की उपलब्धता भी सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि सभी स्वास्थ्य केंद्रों में दर्ज मामलों की निगरानी के साथ-साथ प्रभावित क्षेत्रों में फॉगिंग भी करवाई जाए।

बाढ़ की स्थिति को ध्यान में रखते हुए रूटीन टीकाकरण सत्र बढ़ाए जाएंगे : डॉ. रमन गुप्ता

जालंधर (जालंधर ब्रीज). बाढ़ की स्थिति को ध्यान में रखते हुए, जिला सिविल सर्जन (कार्यकारी) डॉ. रमन गुप्ता द्वारा जिले में नियमित टीकाकरण अभियान को और तेज़ करने के उद्देश्य से एक विशेष बैठक बुलाई गई। इस बैठक में सहायक सिविल सर्जन डॉ. ज्योति फुकेला, जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ. राकेश चोपड़ा, सर्विलांस मेडिकल अफसर डॉ. गगन शर्मा, जिला बीसीजी अधिकारी डॉ. चश्म मित्रा, जिला महामारी विशेषज्ञ डॉ. शोभना बांसल, डिप्टी एम.ई.आई.ओ. असीम शर्मा, अर्बन कोऑर्डिनेटर डॉ. सुरभि ने भाग लिया और निर्णय लिया गया है कि जिले में नियमित टीकाकरण सत्रों में वृद्धि की जाएगी, ताकि गर्भवती महिलाओं और बच्चों का 100% टीकाकरण सुनिश्चित किया जा सके। डॉ. रमन गुप्ता ने बताया कि इस संबंध में जिले में कार्यरत एएनएम और आशा वर्करों को निर्देश दिए गए हैं कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में सर्वे करें और यह सुनिश्चित करें कि कोई भी बच्चा या गर्भवती महिला टीकाकरण से वंचित न रह जाए।

सांसद डॉ. चब्बेवाल द्वारा भुलत्थ में राहत कार्यों का जायजा

ढिलवां/नडाला (जालंधर ब्रीज). सांसद डॉ. राज कुमार चब्बेवाल ने आज ढिलवां के मंड क्षेत्र का दौरा कर राहत कार्यों और धुसी बांध का जायजा लिया। उनके साथ हलका इंचार्ज एडवोकेट हरसिमरन सिंह घुम्मण भी मौजूद थे। उन्होंने संगोजला, मंड कूका, और मनसूरवाल में लोगों से बातचीत की और कहा कि पंजाब सरकार इस मुश्किल घड़ी में लोगों के साथ खड़ी है। उन्होंने कहा कि विशेष गिरदावरी के तहत लोगों को उचित मुआवजा दिया जाएगा।

डॉ. चब्बेवाल ने धुसी बांध का भी दौरा किया। एसडीओ सुखपाल सिंह ने बताया कि धुसी बांध पूरी तरह सुरक्षित है। डॉ. चब्बेवाल ने राहत कार्यों की समीक्षा की और अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे लोगों को राशन, खाने-पीने की सामग्री, और दवाइयों की सप्लाई सुनिश्चित करें। इस मौके पर उन्होंने जरूरतमंदों को राशन भी वितरित किया।

रमन अरोड़ा पर जबरन वसूली का नया केस

जालंधर. जालंधर सेंट्रल हलके से आम आदमी पार्टी के विधायक रमन अरोड़ा जो पहले करप्शन केस में नाभा जेल में बंद थे, को कल ही हाईकोर्ट से रेगुलर बेल मिली थी लेकिन अब वह जबरन वसूली के मामले में फंस गए हैं। थाना रामा मंडी पुलिस ने उनके खिलाफ लंबा पिंड निवासी रमेश कमार पुत्र जनक दास की शिकायत पर नई एफआईआर नंबर 253 मिति 23.08.2025, बीएनएस 308 (2), 308 (6) और 351 के तहत दर्ज की है जिसमें उन पर डरा-धमका कर वसूली करने का आरोप लगाया है।

ऐतिहासिक क्षण को चिह्नित करेगी भारत बनाम ऑस्ट्रेलिया महिला वनडे सीरीज

स्पोर्ट्स डेस्क. भारत में क्रिकेट प्रेमियों के लिए एक रोमांचक आयोजन की उम्मीद बढ़ रही है, क्योंकि इस सितंबर में बहुप्रतीक्षित भारत और ऑस्ट्रेलिया महिला वनडे सीरीज़ 14 और 17 तारीख को खेली जाएगी। यह सीरीज़ एक ऐतिहासिक क्षण साबित होने जा रही है, क्योंकि यह पंजाब क्रिकेट एसोसिएशन के नए अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम मुल्लांपुर न्यू चंडीगढ़ में खेली जाएगी। यह स्टेडियम में आयोजित होने वाला पहला अंतर्राष्ट्रीय महिला क्रिकेट मैच होगा जो इस क्षेत्र के क्रिकेट इतिहास में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है।

न्यू चंडीगढ़ स्टेडियम जिसे पहले ही आईपीएल 2024 और 2025 सत्रों के दौरान अपनी इलेक्ट्रिफाइंग माहौल के लिए सराहा जा चुका है, एक बार फिर क्रिकेट प्रेमियों का ध्यान आकर्षित करने के लिए तैयार है। यहां भारत और ऑस्ट्रेलिया की महिला क्रिकेटरों की उपस्थिति से यह आयोजन और भी रोमांचक हो जाएगा। अपने आधुनिक वास्तुकला शानदार

बैठने की व्यवस्था रंगीन फैन ज़ोन और विश्वस्तरीय सुविधाओं के लिए प्रसिद्ध यह स्टेडियम अब क्रिकेट प्रेमियों के बीच एक पसंदीदा स्थल बन चुका है। जिन दर्शकों ने यहां आईपीएल मैच देखे हैं उन्होंने यहां के अनुभव की सराहना की है जिसमें बेहतरीन लॉजिस्टिक्स जीवंत मनोरंजन और उत्साही भीड़ शामिल हैं जो एक अविस्मरणीय वातावरण बनाती है।

पंजाब क्रिकेट एसोसिएशन के अध्यक्ष अमरजीत सिंह ने आगामी सीरीज़ के लिए अपनी खुशी जाहिर करते हुए कहा, "हम भारत और ऑस्ट्रेलिया महिला वनडे सीरीज़ की मेज़बानी करने पर अत्यधिक गर्व महसूस कर रहे हैं, विशेष रूप से न्यू चंडीगढ़ में होने वाले इस ऐतिहासिक मैच पर। यह अवसर न केवल पंजाब क्रिकेट बल्कि भारत में महिला क्रिकेट के विकास के लिए भी एक महत्वपूर्ण कदम है।

आईपीएल मैचों के दौरान यहां दर्शकों की जो ऊर्जा और उत्साह दिखी थी, वह इस क्षेत्र की जीवंत क्रिकेट संस्कृति को दर्शाती है। हम उम्मीद करते हैं कि हमारे महिला क्रिकेटरों के लिए भी वही जोश और समर्थन मिलेगा।"

दोनों मैचों के टिकट जल्द ही ऑनलाइन और ऑफलाइन प्लेटफॉर्म्स के माध्यम से उपलब्ध कराए जाएंगे। क्रिकेट प्रेमियों, परिवारों और युवा उत्साही लोगों को आमंत्रित किया जाता है कि वे इस रोमांचक सीरीज़ को लाइव देखें क्योंकि टीम इंडिया ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एक शानदार खेल और प्रगति का उत्सव मनाने के लिए तैयार है।

पंजाब क्रिकेट एसोसिएशन अमृतसर में आयोजित करेगा महिला सीनियर टी20 टूर्नामेंट 2025-26

जालंधर ब्रीज. पंजाब क्रिकेट एसोसिएशन 2025-26 सीज़न के लिए महिला सीनियर टी20 टूर्नामेंट की मेज़बानी करेगा जो 2 सितंबर से 10 सितंबर 2025 तक अमृतसर के गांधी ग्राउंड में आयोजित होगा। यह टूर्नामेंट महिला क्रिकेट को बढ़ावा देने और क्षेत्र में उभरती प्रतिभाओं को प्रतिस्पर्धात्मक मंच प्रदान करने की पीसीए की निरंतर प्रतिबद्धता को दर्शाता है। इस टूर्नामेंट में चार टीमें हिस्सा लेंगी, जो राउंड-रॉबिन लीग फॉर्मेट में एक-दूसरे के खिलाफ मुकाबला करेंगी। हर दिन दो मैच खेले जाएंगे एक सुबह और एक शाम। लीग चरण के अंत में शीर्ष दो टीमें फाइनल मैच के लिए क्वालिफाई करेंगी। टूर्नामेंट से पहले पीसीए के मानद सचिव (कार्यवाहक) ने इस आयोजन को लेकर उत्साह और गर्व व्यक्त कियाः "हम इस टूर्नामेंट से महिला क्रिकेट की कुछ बेहतरीन प्रतिभाओं को उभरते देखने की उम्मीद कर रहे हैं। यह सिर्फ एक प्रतियोगिता नहीं है यह पंजाब में महिला क्रिकेट के ढांचे को और मजबूत बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। हमें विश्वास है कि यह मंच अगली पीढ़ी की क्रिकेट सितारों की पहचान और उन्हें निखारने में मदद करेगा।" यह आयोजन पीसीए की महिला क्रिकेट में अवसरों को बढ़ाने की व्यापक पहल का हिस्सा है, जिसमें प्रशिक्षण सुविधाओं में निवेश, ग्रासरूट प्रोग्राम्स और अंतर-जनपदीय टूर्नामेंट शामिल हैं।

डॉ. रवजोत द्वारा बाढ़ प्रभावित गांवों का दौरा

होशियारपुर (जालंधर ब्रीज). स्थानीय निकाय मंत्री डॉ. रवजोत सिंह ने विधानसभा शाम चौरासी में भारी बरसात के चलते प्रभावित गांव खलवाणा, बादोवाल और देयोवाल का दौरा कर स्थिति का जायज़ा लिया। उन्होंने गांवों में जाकर सीधे लोगों से बातचीत की और उनकी समस्याओं को सुना। कैबिनेट मंत्री ने कहा कि पंजाब सरकार हर समय जनता के साथ खड़ी है और किसी भी गांव को समस्या झेलने नहीं दिया जाएगा। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि बरसात से संबंधित पानी निकासी, टूटी सड़कों की मरम्मत और सफाई कार्यों को प्राथमिकता पर पूरा किया जाए।

डॉ. रवजोत सिंह ने भरोसा दिलाया कि प्रभावित क्षेत्रों में राहत कार्यों में तेजी लाई जाएगी और आवश्यक सुविधाएं समय पर उपलब्ध करवाई जाएंगी। उन्होंने ग्रामीणों से अपील की कि वे किसी भी समस्या को तुरंत प्रशासन के ध्यान में लाएं ताकि उसका समाधान शीघ्र किया जा सके। कैबिनेट मंत्री ने कहा कि सरकार का मुख्य उद्देश्य लोगों को सुरक्षित वातावरण और बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराना है।

Printed, Published & Owner by ATUL SHARMA & Printed at DB Corp Ltd, Near Subhanpur Bus Stand,Hamira, Kapurthala-144802(Punjab) and Published from ATUL SHARMA, NN453 GOPAL NAGAR JALANDHAR (PUNJAB)
Editor : ATUL SHARMA*
*Responsible for selection of News under the PRB ACT. PUNHIN/2019/77863, All Rights Reserved. Reproduction in whole or in Part without permission is prohibited. All disputes shall be settled at Jalandhar jurisdiction only.